सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
काश को छोड़िए
प्रयास को अपनाइए..!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–42 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 02 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

एनएच-53 पर जाम से मिलेगी राहत, दुर्ग-रायपुर के लिए वैकल्पिक मार्ग की कवायद तेज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग–रायपुर के व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए दुर्ग पुलिस ने बड़ी पहल की है। यातायात पुलिस द्वारा एनएच–53 पर वाहनों के दबाव को कम करने हेतु वैकल्पिक मार्ग का प्रस्ताव तैयार कर संयुक्त स्थल निरीक्षण कराया गया।

प्रस्तावित मार्ग खुर्सीपार गेट (रोलिंग मिल) से भिलाई स्टील प्लांट क्षेत्र के समीप से सिरसा गेट अंडरब्रिज होते हुए मोतीपुर के रास्ते रायपुर तक विकसित करने का है। इससे दुर्ग–रायपुर मार्ग पर यातायात का विभाजन संभव होगा और रोजाना लगने वाले जाम में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

1 मार्च 2026 को कलेक्टर अभिजीत सिंह दुर्ग, पुलिस उपमहानिरीक्षक दुर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात), आयुक्त नगर निगम भिलाई, एसडीएम भिलाई–3, भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन, लोक निर्माण विभाग दुर्ग के कार्यपालन अभियंता एवं यातायात पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मार्ग की चौड़ाई, जंक्शन पॉइंट, सुरक्षा संकेतक और संभावित यातायात क्षमता का गहन परीक्षण किया गया।

प्रारंभिक जांच के बाद प्रस्ताव को सक्षम प्राधिकारी के समक्ष स्वीकृति हेतु भेजने की तैयारी है। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो एनएच–53 पर ट्रैफिक दबाव घटेगा, दुर्घटनाओं में कमी आएगी और आपात स्थिति में एक सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध रहेगा। साथ ही प्रतिदिन दुर्ग से रायपुर आवागमन करने वाले हजारों नागरिकों को राहत मिलेगी।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं और प्रशासन के दिशा–निर्देशों का पालन कर सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठपुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित प्रशासन व पुलिस के आला अधिकारी उपस्थित थे।

सिख गुरुओं की सीख और बलिदान हम सभी को देती है प्रेरणा–मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शाम राजधानी रायपुर स्थित रेलवे स्टेशन गुरुद्वारा पहुंचे, जहां उन्होंने मत्था टेककर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली के लिए अरदास की। इस अवसर पर उन्होंने सिख संगत द्वारा आयोजित होला मोहल्ला यात्रा के लिए निःशुल्क बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सिख संगत द्वारा आयोजित इस यात्रा में लगभग 1200 श्रद्धालु 17 बसों, 2 ट्रकों एवं अन्य वाहनों के साथ हजूर साहिब नांदेड़ (महाराष्ट्र) तथा गुरुद्वारा नानक झीरा साहिब, बीदर (कर्नाटक) के लिए रवाना हुए। यह यात्रा सिख समाज की आस्था, परंपरा और सामूहिक श्रद्धा का प्रतीक है। श्री साय ने संगत को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान और मानवता की सेवा का संदेश पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी से जुड़े पवित्र स्थलों पर आयोजित होला मोहल्ला केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि साहस, सेवा और राष्ट्रभक्ति की अद्भुत परंपरा का प्रतीक है। सिख गुरुओं द्वारा स्थापित शौर्य और समर्पण की विरासत सदैव देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी। श्री साय ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि सिख संगत द्वारा लगातार 25वें वर्ष इस भव्य आयोजन का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने इस उत्कृष्ट आयोजन के लिए सिख समाज को हार्दिक बधाई दीं। इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा सहित सिख समाज के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

शांति समिति की बैठक में होली सर्वधर्म समभाव के साथ मनाने की अपील

बाज पार्टी और बाइक पेट्रोलिंग के साथ होगी विशेष गश्त की व्यवस्था, चप्पे–चप्पे पर रहेगी पुलिस की नजर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई–दुर्ग

आगामी होली त्यौहार के दृष्टिगत जिला दुर्ग में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, सांप्रदायिक सौहार्द कायम रखने तथा पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार, दुर्ग में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी बीरेंद्र सिंह द्वारा संयुक्त रूप से की गई। बैठक में सीएसपी दुर्ग हर्षित मेहर, सीएसपी भिलाई सत्य प्रकाश तिवारी, एसडीएम दुर्ग उत्तम ध्रुव, एसडीएम भिलाई हितेश पिस्दा, एसडीएम हरवंश मिरी, तहसीलदार दुर्ग प्रफुल्ल गुप्ता, थाना प्रभारी कोतवाली नवीन राजपूत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में पार्षद पोलसायपारा कोतवाली, मनोज सोनी (वार्ड 23 मोहन नगर), बोरसी वार्ड क्रमांक 50, 51, 52 के पार्षदगण, रिसाली नगर पार्षद सोनिया देवांगन, ग्राम कुटेलाभाठा के सरपंच, प्रिया साहू (जिला पंचायत सभापति), कोतवाली क्षेत्र के दरगाह एवं मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष एवं सदस्यगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया कि जिले के अधिकांश स्थानों पर होलिका दहन 2 मार्च को सायं से रात्रि तक संपन्न किया जाएगा, जिसके लिए आवश्यक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भ्रामक या सांप्रदायिक पोस्ट प्रसारित करने वालों के विरुद्ध बीएनएस/आईटी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। जबरन रंग लगाने, छेड़छाड़, मारपीट अथवा विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल, बाज पार्टी एवं बाइक पेट्रोलिंग के माध्यम से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।अवैध शराब बिक्री एवं सार्वजनिक स्थान पर नशा सेवन करने वालों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। सभी वार्ड एवं ग्राम स्तर पर शांति समिति सदस्य स्थानीय समन्वय बनाए रखें तथा किसी भी विवाद की स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचित करें।

बैठक में 'सर्व धर्म समभाव' के संदेश के साथ सभी धर्मों एवं समुदायों का सम्मान करते हुए होली पर्व मनाने की अपील की गई। यह स्पष्ट किया गया कि कानून व्यवस्था भंग करने वाली किसी भी गतिविधि पर त्वरित एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि होली पर्व को आपसी भाईचारे, संयम एवं सामाजिक सौहार्द के साथ मनाएं। अफवाहों पर ध्यान न दें, नशे की हालत में वाहन संचालन न करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस अथवा टोल फ्री नंबर 9479192099 और 112 पर दें। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

10 बिंदुओं पर जारी हुआ विशेष दिशा निर्देश

बिना विधिवत अनुमति जुलूस, होलिका दहन स्थल परिवर्तन अथवा सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित न किए जाएं। होलिका दहन स्थल पर अग्नि सुरक्षा के आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। डीजे/ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग निर्धारित समय सीमा एवं ध्वनि मानकों के अनुरूप ही किया जाए।नशे की अवस्था में वाहन संचालन करने वालों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।नशे की हालत में हुड़दंग/उपद्रव करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आमजन 112 और 9479192099 टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले पूर्व विधायक अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई–दुर्ग

दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से आत्मीय शिष्टाचार मुलाकात की। दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात उनके अनुभव और संगठन के प्रति समर्पण से सदैव नई ऊर्जा मिलती है। इधर सूत्रों का कहना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण है। राज्यसभा चुनाव के पहले यह मुलाकात अहम मानी जा रही है।

हत्याकांड का खुलासा : दुष्कर्म के प्रयास के बाद हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने थाना कुम्हारी क्षेत्र में हुई अज्ञात महिला की निर्मम हत्या के मामले का सनसनीखेज खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। करीब डेढ़ माह तक चली गहन, तकनीकी और मैदानी जांच के बाद पुलिस को यह बड़ी सफलता मिली है।

17 जनवरी 2026 को थाना कुम्हारी क्षेत्र अंतर्गत केवल्य धाम के पीछे परसदा खार स्थित खेत में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पीएम रिपोर्ट में महिला की गला दबाकर हत्या

की पुष्टि हुई, जिसके बाद अपराध क्रमांक 58/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पांच विशेष टीमों की दिन–रात मेहनत : अज्ञात महिला की पहचान और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने पांच विशेष टीमों का गठन किया। जांच के दौरान क्षेत्र के गांवों और मोहल्लों में महिला की पहचान के लिए फोटो दिखाए गए, वहीं 1000 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों के 100 घंटे से अधिक उउळश फुटेज खंगाले और लाखों कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) का तकनीकी विश्लेषण किया। लगातार फील्ड वेरिफिकेशन, गुमशुदगी रिकॉर्ड के जिला एवं अंतरजिला मिलान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही।

दुष्कर्म के प्रयास में की थी हत्या : पुख्ता सबूतों के आधार पर पुलिस ने महाराजा देवार उर्फ राजा देवार (22 वर्ष) निवासी रामनगर बजरंग चौक, वार्ड क्रमांक–07, कुम्हारी जिला दुर्ग को 28 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने महिला को बहला–फुसलाकर खेत में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास करने और विरोध करने पर गला दबाकर हत्या करने की बात स्वीकार की है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे और घटनास्थल से एक चप्पल, घटना के दिन पहनी शर्ट (जिसके दो बटन टूटे हुए थे), शर्ट का बटन, एक ए–वन पाउच और पानी की बोतल जब्त की है। इस जघन्य हत्याकांड के खुलासे में थाना कुम्हारी, साइबर सेल, ACCU टीम और समस्त पुलिस स्टाफ की भूमिका को पुलिस अधिकारियों ने सराहनीय बताया है।

मुकाबला टी–20 वर्ल्ड कप 2026 में अकेले दम पर पलटा मैच, करोड़ों दिलों की धड़कन बने संजू

संजू सैमसन की ऐतिहासिक पारी, भारत सेमीफाइनल में

विशेष संवाददाता संदीप सिंह / कोलकाता

टी–20 क्रिकेट की सबसे बड़ी कसौटी दबाव होती है। बड़े मंच पर वही खिलाड़ी टिकता है, जो शोर, अपेक्षाओं और नाकामी के डर के बीच अपने खेल की सादगी नहीं खोता। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम के लिए यही कसौटी सामने थी— और उसी क्षण संजू सैमसन ने अपने खेल से जवाब दिया। परिणाम केवल एक जीत नहीं था; वह भारत के सेमीफाइनल में प्रवेश का संदेश था, जो आत्मविश्वास और विवेक से लिखा गया।

भारत की शुरुआत सहज नहीं रही। शुरुआती विकेटों ने पारी पर दबाव बढ़ाया और रन–गति पर अंकुश लगा। ऐसे में संजू सैमसन का क्रीज पर टिकना महज साझेदारी निभाना नहीं था, बल्कि पारी को दिशा देना था। उन्होंने जल्दबाजी से परहेज करते हुए हालात को पढ़ा, गेंदबाजों की योजना समझी और जोखिम का चुनाव सोच–समझकर किया। यह वही परिपक्वता है, जो टी–20 के शोर में अक्सर खो जाती है, लेकिन बड़े मैचों में जीत का आधार बनती है।

संजू की बल्लेबाजी में संतुलन स्पष्ट दिखा

रन बनाने की निरंतरता और समय पर आक्रामकता। स्पिन के खिलाफ फुटवर्क, तेज गेंदबाजों के विरुद्ध शॉट सिलेक्शन और स्ट्राइक रोटेशन ने दबाव को विपक्ष की ओर धकेल दिया। यह पारी आंकड़ों से अधिक अपने प्रभाव के लिए याद रखी जाएगी, क्योंकि इसने भारतीय ड्रेसिंग रूम में भरोसा लौटाया और मैदान पर लय स्थापित की। विकेट के पीछे उनका योगदान उतना ही निर्णायक रहा। तेज रिफ्लेक्स और सटीक निणर्यो ने विपक्षी बल्लेबाजों को अतिरिक्त मौके नहीं दिए।

आधुनिक क्रिकेट में विकेटकीपर की भूमिका बहुआयामी है

संजू ने उसी अपेक्षा पर खरा उतरते हुए खेल को हर आयाम में प्रभावित किया। गेंदबाजी और फील्डिंग ने इस बढ़त को ठोस आधार दिया। अनुशासित लाइन–लेंथ, विविधता का सही उपयोग और चुस्त फील्डिंग ने लक्ष्य का पीछा कठिन बना दिया। यह सामूहिक प्रयास था, लेकिन उसकी धुरी वही पारी बनी, जिसने पहले भारत को संकट से निकाला। इस जीत के साथ भारत ने कउउ पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। यह प्रवेश केवल टूर्नामेंट की प्रगति नहीं, बल्कि टीम की मानसिक मजबूती का संकेत है। संजू सैमसन की पारी इस बात की याद दिलाती है कि टी20 में भी धैर्य और विवेक अप्रासंगिक नहीं हुए हैं।

बड़े लक्ष्य, बड़े मुकाबले और बड़े सपने

इन सबके बीच यदि कोई चीज निर्णायक रहती है, तो वह है सही समय पर सही क्रिकेट। सेमीफाइनल की ओर बढ़ती टीम इंडिया के लिए यह जीत दिशा–सूचक है। संदेश साफ है: जब दबाव बढ़े, तो खेल सरल रखो और भरोसा अपने सबसे ठोस विकल्प पर। संजू सैमसन ने यही किया, और भारत आगे बढ़ गया। पहला सेमीफायनल मैंच साउथ आफ्रिका और न्यूजीलैण्ड के बीच कोलकाता के ईडन गॉडन मैदान पर 4 मार्च को खेला जाएगा। वहीं दूसरा सेमी मैच भारत और इंग्लैण्ड के बीच 5 मार्च को खेला जाएगा। दोनों सेमीफायनल मैच के विजेता 8 मार्च को फायनल मैच खेलेंगे।

प्रदेश में गर्म रहा तापमान

भिलाई। प्रदेश में मार्च की शुरुआत के साथ ही गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। राजधानी रायपुर में रविवार को अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.4 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में मौसम शुष्क बना हुआ है और अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक क्रमिक बढ़ोतरी होने की संभावना है। दिन के समय तेज धूप और गर्म हवा के कारण दोपहर में गर्मी का असर साफ महसूस किया गया। खास बात यह रही कि रात के तापमान में भी गिरावट नहीं हो रही, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहने के कारण सुबह और देर रात भी हल्की गर्माहट बनी रही। हवा की गति करीब 2 किमी प्रति घंटा रही, जिससे उमस का प्रभाव भी महसूस किया गया।

दुर्ग जिले में आज से नई गाइडलाइन दरें लागू होंगी, जिससे जमीन की रजिस्ट्री में आएगी पारदर्शिता

जमीन की नई गाइड़ लाइन में दुर्ग वासियों को राहत मिलेगी और रजिस्ट्री प्रक्रिया होगी आसान, विधायक चंद्राकर ने मुख्यमंत्री व वित्तमंत्री का जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ सरकार ने जमीन और मकान की खरीद-फरोख्त को आसान और साफ-सुथरा बनाने के लिए नई गाइडलाइन दरें लागू की हैं। दुर्ग और सरगुजा जिलों में ये नई दरें 2 मार्च 2026 से प्रभावी होंगी। पहले 20 नवंबर 2025 से नई गाइडलाइन दरें लागू की गई थीं, लेकिन कुछ जगहों पर दरों में बदलाव की जरूरत महसूस हुई, जिसके बाद जिलों से सुझाव मांगे गए थे।दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी और वित्त मंत्री जी से सौजन्य मुलाकात कर दुर्ग जिला में जमीन गाईड लाइन के सम्बन्ध में अवगत कराया था और बजट में नई गाइड लाइन जारी करने निवेदन किया था सरकार ने आम जानो की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए नए गाइड लाइन जारी किया गया। निश्चित रूप से इसका लाभ दुर्ग जिलेवासियों को मिलेगा।

यह निर्णय प्रशासन द्वारा जमीन की खरीद-फरोख्त में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को रोकने के लिए लिया गया है। नई दरें लागू होने से जमीन की कीमतों में स्पष्टता आएगी और रजिस्ट्री प्रक्रिया में सुधार होगा। दुर्ग और सरगुजा की समितियों ने अपने-अपने हिसाब से नई दरों का प्रस्ताव भेजा। इन प्रस्तावों पर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक में चर्चा हुई और आखिरकार इन्हें मंजूरी दे दी गई। अब इन जिलों में जमीन या मकान की रजिस्ट्री नई तय दरों के अनुसार ही होगी।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर का कहना है कि इससे प्रॉपर्टी की सही कीमत पर रजिस्ट्री हो पाएगी। पहले कई बार दरें बाजार से मेल नहीं खाती थीं, जिससे लोगों को परेशानी होती

थी। नई व्यवस्था से यह दिक्कत कम होगी और पूरी प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी बनेगी। आम लोगों के लिए भी यह राहत की बात है, क्योंकि अब उन्हें पहले से ही स्पष्ट रहेगा कि किस इलाके में कितनी गाइडलाइन दर है। इससे खरीद-बिक्री के समय कन्फ्यूजन कम होगा। नई दरों की जानकारी लोग अपने जिले के रजिस्ट्री ऑफिस या विभाग की वेबसाइट से आसानी से ले सकते हैं।

विधायक ललित चंद्राकर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वित्त मंत्री ओ पी चौधरी धन्यवाद् ज्ञापित किया। यह दुर्ग जिले के उप पंजीयक कार्यालय की गाइडलाइन दरों की सूची है, जो वर्ष 2025-26 के लिए नगरीय संपत्तियों के लिए है: पंचशील नगर/ नयापारा/ बजरंग नगर/ बेलदारपारा: मुख्यमार्ग पर स्थित: 11,000 वर्ग मीटर दर, 4,36,80,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, मुख्यमार्ग से अंदर: 4,36,80,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, नयापारा (नदी तिराहा से शिवनाथ नदी तक मुख्य मार्ग वॉर्ड सीमा के अंतर्गत): मुख्यमार्ग पर स्थित: 20,000 वर्ग मीटर दर, 4,36,80,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, मुख्यमार्ग से अंदर: 11,000 वर्ग मीटर दर, 3,76,20,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, नयापारा (नदी तिराहा से नयापारा चौक होते बघेरा रोड व मोहलाई रोड बजरंग चौक से केजू मिल वार्ड सीमा के अंतर्गत): मुख्यमार्ग पर स्थित: 20,000 वर्ग मीटर दर, 4,36,80,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, मुख्यमार्ग से अंदर: 11,000 वर्ग मीटर दर, 3,76,20,000 रुपये प्रति हेक्टेयर। स्वीकृत अभिविन्यास: मुख्यमार्ग पर स्थित: 15,000 वर्ग मीटर दर, 4,36,80,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, मुख्यमार्ग से अंदर: 4,36,80,000 रुपये प्रति हेक्टेयर है।

यह दुर्ग जिले के उप पंजीयक कार्यालय की गाइडलाइन दरों की सूची है, जो वर्ष 2025-26 के लिए है। इसमें विभिन्न ग्रामों के लिए हेक्टेयर दरें दी गई हैं, जो मुख्यमार्ग पर स्थित भूमि और मुख्यमार्ग से अंदर (सिंचित भूमि) के लिए अलग-अलग हैं। कुछ प्रमुख ग्रामों की दरें निम्नलिखित हैं: अंडा: मुख्यमार्ग पर 1,90,00,000 रुपये प्रति हेक्टेयर और अंदर 75,00,000 रुपये प्रति हेक्टेयर। विनायकपुर: मुख्यमार्ग पर 45,00,000 रुपये प्रति हेक्टेयर और अंदर 35,00,000 रुपये प्रति हेक्टेयर। कुथरेल: मुख्यमार्ग पर 1,37,50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर और अंदर 60,00,000 रुपये प्रति हेक्टेयर। पोटियाकला-महाराज चौक: मुख्यमार्ग पर 4,39,56,000 रुपये प्रति हेक्टेयर और अंदर 3,48,00,000 रुपये प्रति हेक्टेयर है।

खास खबर

नर्सिंग विद्यार्थियों ने किया संयंत्र भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शासकीय नर्सिंग कॉलेज दुर्ग के एमएससी नर्सिंग (प्रथम वर्ष और अंतिम वर्ष) के स्टूडेंट ने सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग और व्यावसायिक स्वास्थ्य पाठ्यक्रम के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र का शैक्षिक-औद्योगिक भ्रमण किया। यह भ्रमण प्रिंसिपल डॉ. रमा राजेश के नेतृत्व में किया गया था। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. कल्पना भूषण जोशी, एसोसिएट प्रोफेसर और शालिनी देशमुख डेमॉन्स्ट्रेटर ने अन्य सभी शिक्षकों के साथ मिलकर किया।

बीएसपी भ्रमण से पहले मानव संसाधन विभाग की ओर से एक विस्तृत प्री-ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया। जिसमें राजेश श्रीवास्तव जीएम एचआरडी, फजली, बलराम मेश्राम और श्री तिवारी को उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए नर्सिंग कॉलेज परिवार ने विशेष धन्यवाद दिया। सत्र के दौरान बलराम मेश्राम ने बताया कि बीएसपी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की एक प्रमुख इकाई है और भारत के प्रमुख एकीकृत इस्पात संयंत्रों में से एक है। संयंत्र को प्रधानमंत्री ट्रॉफी फॉर बेस्ट इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं। इरह अपने यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) में 130 मीटर लंबी रेलपांत का उत्पादन करता है, जिन्हें 260 मीटर पैनल में वेल्ड किया जाता है और विश्व भर में निर्यात किया जाता है।

श्री तिवारी के मार्गदर्शन में स्टूडेंट ने बीएसपी का भ्रमण किया। जिसमें ब्लास्ट फर्नेस-8, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 और यूनिवर्सल रेल मिल सहित विभिन्न उत्पादन इकाइयों को देखा। इस दौरान सभी स्टूडेंट ने सख्त सुरक्षा उपायों का पालन किया गया, जिसमें हेलमेट, सुरक्षा शूज, पीपीई का उपयोग, चिह्नित मार्गों का पालन और आपातकालीन निकास की जानकारी शामिल थी। स्टूडेंट को अग्नि सुरक्षा प्रणाली और आपातकालीन तैयारी के बारे में बताया गया। वहीं पीपीई उपयोग, वेंटिलेशन सिस्टम, नियमित स्वास्थ्य जांच और सुरक्षा प्रशिक्षण जैसे निवारक उपायों को लेकर स्टूडेंट को जागरूक किया गया। यह भ्रमण सभी प्रतिभागियों के लिए एक उल्लेखनीय और पेशेवर रूप से समृद्ध करने वाला अनुभव साबित हुआ।

माहे रमजान में बताए जकात से जुड़े तमाम कायदे

भिलाई। पवित्र रमजान के महीने में मरकजी मस्जिद पावर हाउस कैंप-2 में जकात को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दारूल कजा भिलाई के शहर काजी मुफ्ती मोहम्मद सोहेल ने यहां लोगों के सामने जकात का हुक्म और हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वस्सलम का नूरानी तरीका शरीयत की हद में बयान किया।

मुफ्ती मोहम्मद सोहेल ने बताया कि हर बालिग, आकिल मोमिन मर्द और औरत पर साहिबे निसाब को पूरा करने पर जकात देना फर्ज है। जिनके पास साढ़े सात तोला सोना या साढ़े बावन तौला चांदी हो या इनमें से किसी एक की रकम के बराबर नगद मौजूद हो उस पर जकात देना होगा। उन्होंने बताया कि जकात माल,सोना, चांदी, जानवर, फसल और मौजूदा दौर में कारोबार रियल एस्टेट,वो मकान जिससे किराया आता हो ,वो जमीन जिसको मुनाफे के इरादे के लिए खरीद रखा है उसकी मूल कीमत का 2.5 फीसदी निकालनी चाहिए। जकात किसी फकीर, मुसाफिर, कर्जदार, यतीम ,बेवा मिस्कीन (जिसके पास खाने पीने) का कोई इंतजाम ना हो, को दे सकते हैं। वहीं सैय्यद परिवार जो हजरत मोहम्मद सल्लु अलैहिस्सलाम की खानदान से हो ,हाशमी खानदान और सगी मां और बाप, बेटा-बेटी,दादा-दादी और नाना-नानी को नहीं दे सकते हैं। इनको जकात के अलावा सिर्फ मदद करने माल या रकम देना जायज है। उन्होंने कहा कि जकात सदका दर हकीकत अल्लाह की तरफ से एक बेहतरीन निजाम है जो रसूलों ओर नबियों के जरिए इंसानियत पर बेहतरीन समाज बनाने में अहम किरदार रखता है। मुफ्ती साहब ने कहा कि अल्लाह को तुम्हारे माल की कोई जरूरत नहीं वो तो तकवा (धर्मपरायणता) देखना चाहता है।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया कर्मचारी नगर में डोमशेड का लोकार्पण

डोमशेड बनने से धूप, वर्षा जैसी अन्य मौसमी बाधाओं से कार्यक्रम में व्यवधान नहीं बनेंगी

कार्यक्रम

जनसुविधाओं का विस्तार और मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

विधानसभा क्षेत्र दुर्ग के वार्ड क्रमांक 16, कर्मचारी नगर में आज नवनिर्मित डोमशेड का लोकार्पण संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। यह डोमशेड केबिनेट केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव की विधायक निधि से निर्मित किया गया है। नवनिर्मित डोमशेड के निर्माण से कर्मचारी नगर के नागरिकों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों के लिए एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हो सकेगा। लंबे समय से क्षेत्रवासी ऐसे सार्वजनिक स्थल की मांग कर रहे थे, जिसे अब साकार रूप मिला है। डोमशेड बनने से अब धूप, वर्षा अथवा अन्य मौसमी बाधाएँ किसी भी कार्यक्रम में व्यवधान नहीं बनेंगी और विभिन्न आयोजन सहज रूप से संपन्न किए जा सकेंगे।

लोकार्पण अवसर पर उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि जनसुविधाओं का विस्तार और मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कमर्चारी नगर सहित पूरे दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर गति से किए जा रहे हैं और आगे भी क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएँ लागू की जाती रहेंगी।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि डोमशेड का निर्माण क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा और इससे सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, कमलेश फेकर, बंटी चौहान, कौशल साहू, पार्षद खिलावन मटियारा, देवनारायण चंद्राकर, कांशीराम कोसरे, मनीष साहू, कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, मनीष कोठारी, युवराज कुंजाम, गुलशन साहू, सरस निर्मलकर, श्रीमती सुरुचि उमरे, श्रीमती सावित्री दमाहे, श्रीमती रेशमा सोनकर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

ईपीएफओ का निधि आपके निकट जिला आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा देश के सभी जिलों में व्यापक स्तर पर पुर्नसंरचित निधि आपके निकट (एनएएन) कार्यक्रम के अंतर्गत जिला आउटरीच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में दुर्ग जिले हेतु माह फरवरी 2026 का निधि आपके निकट शिविर 27 फरवरी को भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-एल एंड डी सेंटर में आयोजित किया गया।

यह जिला आउटरीच कार्यक्रम सदस्यों, पेंशनभोगियों एवं नियोक्ताओं को एक ही मंच पर त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविर के माध्यम से उपस्थित हितग्राहियों की शिकायतों का स्थल पर ही निराकरण किया गया तथा उन्हें ईपीएफओ की विभिन्न योजनाओं, ऑनलाइन सेवाओं, यूएएन सक्रियण, केवाईसी अद्यतन, पेंशन प्रावधानों एवं ऑनलाइन क्लेम से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

निधि आपके निकट सत्र के संचालन हेतु उपस्थित ईपीएफओ के अधिकारी प्रियरंजन सिन्हा एवं दौलत राम साहू ने शिविर में उपस्थित सदस्यों एवं पेंशनरों की समस्याओं का स्थल पर ही समाधान किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

शिविर में उपस्थित प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिला स्तर पर ऐसे शिविरों का आयोजन हितग्राहियों को त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ अनावश्यक कार्यालयीन औपचारिकताओं से भी राहत प्रदान करता है। यह पुनर्गठित जिला आउटरीच कार्यक्रम सामाजिक सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करते हुए सेवाओं की पहुंच अंतिम लाभार्थी तक सुनिश्चित करने का एक सार्थक प्रयास है, जिससे श्रमिक वर्ग एवं पेंशनधारकों को त्वरित एवं सुविधाजनक प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो सके।

समाज की निरंतर प्रगति के लिए एकता और संगठन सबसे बड़ी शक्ति-सांसद विजय बघेल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-पाटन

पाटन सर्किल कोसरिया यादव समाज तहसील पाटन का वार्षिक अधिवेशन अमलेश्वर, पाटन में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल रहे। अध्यक्षता कोसरिया यादव महासभा के अध्यक्ष बोधन यादव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर (सभापति जिला पंचायत, भाजपा), कमलेश चंद्राकर (भाजपा मंडल अध्यक्ष अमलेश्वर), दयानंद सोनकर (अध्यक्ष नपा अमलेश्वर), कैलाश यादव (भाजपा महामंत्री), बोधन राम यादव (जिला अध्यक्ष), हरिश यादव (जिला उपाध्यक्ष) सहित बरातू राम यादव, शंकरलाल यादव, भोजराज यादव, तुलसीराम यादव, सुश्री अर्चना यादव, श्रीमती अहिल्या यादव, मालती यादव, कुसुम यादव, सुश्री रामेश्वरी यादव सहित अनेक गणमान्य पदाधिकारी मंचासीन रहे।

मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल का पारंपरिक खुमड़ी गजमाला एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर राउत नाचा के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया गया, जिसने कार्यक्रम में सांस्कृतिक गरिमा जोड़ दी।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि समाज की निरंतर प्रगति के लिए एकता और संगठन सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि हाल ही में वे अन्य समाजों के कार्यक्रमों में भी शामिल हुए हैं और हर समाज की उन्नति के लिए संगठित प्रयास आवश्यक हैं। होली जैसे सतरंगी त्योहार समाज में प्रेम, भाईचारा और समरसता का संदेश देते हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि पंडाल में महिलाओं की बड़ी संख्या समाज की जागरूकता और सशक्त भागीदारी का प्रतीक है। अधिवेशन में समाज की एकजुटता, संगठन विस्तार और आगामी गतिविधियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में यादव समाज के सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'अस्मिता खेलो इंडिया' खेल से ही है पहचान' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

योजनाओं से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे आने का मिल रहा अवसर-सांसद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ एवं मारुति व्यायाम शाला ग्राम महुदा के संयुक्त तत्वावधान में 'अस्मिता खेलो इंडिया' खेल से ही है पहचान' कार्यक्रम का भव्य आयोजन ग्राम महुदा, तहसील पाटन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर बालिकाओं ने वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। ग्रामीण अंचल में आयोजित इस प्रतियोगिता ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा केवल संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर बेटियां भी नई ऊँचाइयां छू सकती हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल (सांसद, दुर्ग लोकसभा) थे। विशिष्ट अतिथियों में श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर (जिला पंचायत सभापति), कमलेश चंद्राकर (मंडल अध्यक्ष), राजेश चंद्राकर (सांसद प्रतिनिधि), राकेश साहू, अरविंद जोशी बब्बू, गजेन्द्र सरपंच, छवि राम साहू, धर्मेंद्र कौशिक, चंद्रिका साहू एवं गायत्री साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में आयोजन समिति विशेषकर छवि विश्वकर्मा द्वारा किए गए भव्य आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेलों को बढ़ावा देने हेतु चलाई जा रही योजनाओं से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने प्रदेश के खेल मंत्री मनसुख मंडावी के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि आज हमारी बेटियों ने भारोत्तोलन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न केवल अपने गांव और जिले का, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। कोच एवं प्रशिक्षकों की मेहनत और खिलाड़ियों के समर्पण से निश्चित ही आने वाले समय में और भी बड़ी सफलताएं प्राप्त होंगी।

सांसद श्री बघेल ने सभी प्रतिभागियों को होली पर्व के पूर्व शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन ग्राम महुदा में खेल प्रतिभाओं को नई दिशा देने वाला प्रेरणादायी प्रयास सिद्ध हुआ।

कुत्ते को बेरहमी से मारने वाले हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / जामुल

दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र में एक बेजुबान कुत्ते को बेरहमी से मारने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना एमपीईबी चौक जामुल में सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

मिली जानकारी के अनुसार, 1 मार्च की रात करीब 3:30 बजे गली के एक कुत्ते को दो व्यक्तियों द्वारा गंभीर रूप से पीटने की सूचना मिली थी। प्रार्थी मदन साहू ने थाना जामुल पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें मुर्तुजा अली और राहुल मारकण्डे पर कुत्ते को मारकर उसकी मौत करने का आरोप लगाया गया। रिपोर्ट के आधार पर थाना जामुल में अपराध क्रमांक 136/2026 धारा 325, 3(5) बीएनएस तथा पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने घटना स्वीकार कर ली।

आरोपियों के खिलाफ धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत अलग से प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है। मामले में आगे की वैधानिक प्रक्रिया जारी है। घटना एमपीईबी चौक, जामुल, की है जिसमें आरोपी मुर्तुजा अली, 30 वर्ष, निवासी वार्ड 01 जामुल, राहुल मारकण्डे, 23 वर्ष, निवासी वार्ड मंदिर के पास, जामुल है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक रामेन्द्र सिंह, सउनि महफूज खान, आरक्षक महात्मा साहू, अतुल सिंह, तोषण चन्द्राकर, चंदन सिंह और पी. संतोष की विशेष भूमिका रही।

छह दिवसीय प्रवास : बस्तर की सांस्कृतिक विरासत से अभिभूत हुई संयुक्त राष्ट्र की मेंटर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। संयुक्त राष्ट्र की मेंटर एवं हिवा कोचिंग एंड कंसल्टिंग की संस्थापक सुश्री किर्सी वैरिनेन ने अपने छह दिवसीय प्रवास के दौरान बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कला और जनजातीय संस्कृति को करीब से अनुभव किया। प्रवास की समाप्ति पर शनिवार को उन्होंने बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा से औपचारिक मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन भी उपस्थित रहे।

बैठक में बस्तर में सतत पर्यटन, सामुदायिक सहभागिता और वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा हुई। सुश्री किर्सी ने विशेष रूप से धुड़मारास के भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां की प्राकृतिक छटा, जनजातीय जीवन शैली और पारंपरिक लोकाचार ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने स्थानीय समुदायों के आत्मीय आतिथ्य, लोकनृत्यों, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक जड़ें अत्यंत मजबूत और जीवंत हैं। यहां की परंपराएं केवल विरासत नहीं, बल्कि आज भी लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो इसे विश्व के पर्यटकों के लिए एक विशिष्ट और अविस्मरणीय गंतव्य बनाती हैं।

छह दिनों तक बस्तर के विभिन्न अंचलों का भ्रमण करने के दौरान उन्होंने ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय उत्पादों, महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों और प्रकृति आधारित पर्यटन स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर में सामुदायिक सहभागिता के साथ पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं और यदि इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संरचित किया जाए, तो यह वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक सशक्त पहचान बना सकता है।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने सुश्री किर्सी के अनुभवों को बस्तर के पर्यटन संवर्धन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से न केवल स्थानीय पर्यटन को नई दिशा मिलेगी, बल्कि बस्तर की लोक कला, परंपराएं और प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर और सशक्त पहचान मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय संवाद से बस्तर में सतत और समावेशी विकास की अवधारणा को और बल मिलेगा।

प्रवास के समापन पर सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा कि बस्तर केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि अनुभवों की ऐसी भूमि है जहां प्रकृति, संस्कृति और मानवीय संवेदनाएं एक साथ जीवंत हो उठती हैं। उनकी यह यात्रा बस्तर के लिए केवल एक औपचारिक दौरा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर पहचान और संभावनाओं के नए द्वार खोलने वाला प्रेरक अध्याय बनकर उभरी है।

खास खबर

मुख्यमंत्री ने 200 बिस्तरीय अत्याधुनिक श्री बालाजी कैंसर अस्पताल का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित श्री बालाजी हॉस्पिटल परिसर में 200 बिस्तरीय अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान बालाजी की पूजा अचर्ना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और आरोग्य की कामना की। साथ ही उन्होंने कैंसर अस्पताल के नवनिर्मित इकाइयों का शुभारंभ कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार राज्य की प्रगति और सशक्त होते आधारभूत ढांचे का स्पष्ट प्रमाण है। प्रदेश निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर हम रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं और राज्य गठन के समय जहां प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, वहीं बीते वर्षों में 14 से 15 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अपने दो वर्ष के कायर्काल में उन्होंने 5 से 6 नए अत्याधुनिक अस्पतालों का शुभारंभ किया है, जिससे आमजन को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कैंसर अपस्ताल में मरीजों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक दिक्कतें भी कम होगी। इस अवसर पर अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. तेजस नायक, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. नीता नायक, आरके नायक, श्रीमती सत्यवती नायक तथा अस्पताल प्रबंधन और अधिकारी-कर्मचारी और आमजन उपस्थित थे।

मंत्री राजेश अग्रवाल के निज सहायक कौस्तुभ पांडेय को मिली पीएचडी की उपाधि

रायपुर। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निज सहायक कौस्तुभ पांडेय को डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त होने पर उनके शुभचिंतकों, सहयोगियों एवं शिक्षाजगत में हर्ष का वातावरण है। यह उपाधि उन्हें सहायक प्राध्यापक डॉ. स्नेहलता निर्मलकर के मार्गदर्शन में प्रदान की गई। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने श्री पांडेय को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सतत प्रयास और उच्च अध्ययन के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री पांडेय अपनी विद्वत्ता एवं अनुभव से समाज और प्रशासनिक कार्यों में और अधिक सकारात्मक योगदान देंगे।

उल्लेखनीय है कि कौस्तुभ पांडेय वर्ष 2005 से शासकीय प्राथमिक शाला चांटीडीह, बिलासपुर में सहायक शिक्षक के रूप में पदस्थ हैं। वतर्मान में वे प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निजी स्थापना में कार्यरत हैं। शैक्षणिक रूप से बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री पांडेय ने बीकॉम, एमकॉम, एमए (हिन्दी), एमए (राजनीति शास्त्र) तथा डीएड की उपाधियाँ प्राप्त की हैं। अब पीएचडी की उपाधि अर्जित कर उन्होंने अपने शैक्षणिक सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ी है। श्री पांडेय के पिता रामकुमार पाण्डेय ने पुत्र की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे परिवार के लिए गौरव का क्षण बताया। उनकी पत्नी श्रीमती श्रद्धा पांडेय एवं उनके सहयोगी स्टाफ, साथियों, शुभचिंतकों ने भी इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए इसे शिक्षा एवं समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। शिक्षा, प्रशासन और सामाजिक दायित्वों के संतुलित निर्वहन के साथ पीएचडी की उपाधि प्राप्त करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह उन सभी के लिए प्रेरणा है जो निरंतर अध्ययन और आत्मविकास में विश्वास रखते हैं।

मंत्री देवांगन ने दी अंडरग्राउंड सीवरेज लाइन की सौगात, 3350 मकानों को मिलेगा लाभ

वर्षों पुरानी समस्या से मिलेगी निजात, कॉलोनीवासियों ने मंत्री-मेयर का जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विधायक और कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 25 शिवाजी नगर एवं वार्ड क्रमांक 27 महाराणा प्रताप नगर कॉलोनी की बहुप्रतीक्षित नई सीवरेज लाइन निर्माण 14.40 करोड़ के लागत के कार्य का नारियल तोड़कर शुभारम्भ किया।
एमपी नगर स्थित उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री देवांगन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि दोनों ही कॉलोनी आज शहर के मुख्य आवासीय कॉलोनी हैं, लेकिन यहां की सीवरेज लाइन की समस्या विगत कुछ वषो से बदहाल थी। कॉलोनी की लंबे समय से नई सीवरेज लाइन के निर्माण की मांग थी।

विधानसभा चुनाव में जब मुझे आप सभी के बीच संवाद कर आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला था तब आप सभी ने इस बहुप्रतीक्षित कार्य की मांग की थी। तब मैंने वादा किया था कि नई सीवरेज लाइन का निर्माण हर हाल में किया जाएगा। आप सभी को बताते हुए हर्ष हो रहा है की इस बहुप्रतीक्षित कार्य को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने 15 वें वित्त आयोग मद से तत्काल राशि की स्वीकृति प्रदान की और इस कार्य का शुभारम्भ किया जा रहा है।

दोनों ही कॉलोनी के 3350 मकानों की नई सीवरेज लाइन का लाभ मिलेगा। 14.4 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन का निर्माण होगा। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सुशासन की सरकार एक ही पहचान है विकास और तेज विकास। ट्रिपल इंजन की सरकार में कोरबा नगर के विकास के लिए पर्याप्त राशि मिल रही है। उन्होने अधिकारियों से समयसीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ काम करने के निर्देश दिया।

इस अवसर पर दोनों ही वार्ड के क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर सीमती संजू देवी राजपूत का महामाला से अभिनंदन कर आभार जताया। क्षेत्र वासियों ने कहा कि लंबे समय से इस कार्य की मांग की जा रही थी, फंड के अभाव में कार्य की स्वीकृति नही मिल पा रही थी। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती वर्षा दिनेश वैष्णव, अनुज जायसवाल, अशोक चावलानी, नरेंद्र देवांगन, पंकज देवांगन, अजय गौंड, श्रीमती ज्योति वर्मा, सोनू भाटिया, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, धर्मपाल सोलंकी, नितिन चतुर्वेदी, पुनीराम साहू, ईश्वर साहू, प्रकाश अग्रवाल सहित दोनों वार्ड के गणमान्य जन अधिक संख्या मे उपस्थित रहे।

हर छोटी-बड़ी समस्या के निजात पाने तेजी से काम : महापौर संजू देवी राजपूत

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि कोरबा नगर में कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन के नेतृत्व में कोरबा नगर निगम हर छोटी से बड़ी समस्याओ के निजात के लिए काम तेज गति से जारी है। विकास के लिए फंड लगातार प्राप्त हो रहा है। शहर को सुव्यवस्थित एवं सुसज्जितकरने की दिशा मे कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है।

आकांक्षा ने नरवा-गरूवा योजना पर किया शोध, हासिल की पीएचडी उपाधि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुश्री आकांक्षा साहू ने भूपेश बघेल के मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरूवा, घुरूवा और बाड़ी पर शोध किया है। इस शोध पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने सुश्री आकांक्षा साहू को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पीएचडी वायवा के बाद उन्हें यह उपाधि औपचारिक रूप से प्रदान की गई।

पीएचडी वायवा में बाह्य परीक्षक के रूप में प्रो. मोहन काशीकर, आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय महाराष्ट्र से शामिल हुए। आकांक्षा साहू का शोध विषय था छत्तीसगढ़ शासन की नरवा, गरूवा, घुरूवा और बाड़ी योजना का राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में योगदान का एक अध्ययन। यह शोध दुर्ग जिले के विशेष संदर्भ में रहा। इस शोध में दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के क्रियान्वयन, उसके सामाजिक प्रभाव, आर्थिक सशक्तिकरण तथा ग्रामीण जीवन स्तर में आए बदलावों का विश्लेषण किया गया है।

शोध निर्देशक डॉ. डीएन सूर्यवंशी सेवानिवृत्त प्राचार्य, सुराना महाविद्यालय दुर्ग रहे। शोध केंद्र निर्देशक डॉ. प्रमोद यादव, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, सुराना महाविद्यालय रहे। जल संरक्षण (नरवा), पशुपालन संवर्धन (गरूवा), जैविक खाद निर्माण (घुरूवा) और पोषण वाटिका (बाड़ी) जैसे घटकों का समेकित प्रभाव ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने पर शोध में तथ्यात्मक निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं। सुराना महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त प्राध्यापकों ने डॉ. आकांक्षा साहू की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। डॉ. आकांक्षा साहू ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद, परिवार के सहयोग और निरंतर कड़ी मेहनत को दिया।

ग्राफ्टेड बैगन से 16 लाख रुपए की हो रही आमदनी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

किसान वैज्ञानिक पद्धति, उन्नत बीज और सही मार्गदर्शन के साथ खेती करें, तो कम भूमि में भी अधिक उत्पादन और बेहतर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इसी कड़ी में मुंगेली जिले के पथरिया विकासखंड के ग्राम करही के किसान चिंतामणि बंजारे ने नवाचार और आधुनिक तकनीक को अपनाकर खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाया है। उन्होंने परंपरागत सब्जी खेती से आगे बढ़ते हुए उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में 10 एकड़ क्षेत्र में ग्राफ्टेड बैंगन की खेती कर लगभग 1100 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। इस उत्पादन से उन्हें करीब 16 लाख रुपये की आमदनी हुई है।

कृषक चिंतामणी ने बताया कि सामान्य फसल की तुलना में ग्राफ्टेड बैगन में लागत अपेक्षाकृत कम आती है, जबकि उत्पादन अधिक मिलता है, परिणामस्वरूप आय दो से तीन गुना तक बढ़ जाती है। ग्राफ्टेड बैंगन की विशेषता इसकी मजबूत जड़ प्रणाली, रोग प्रतिरोधक क्षमता और अधिक उत्पादन है। पहले वे सामान्य सब्जियों की खेती करते थे, जिसमें लाभ सीमित और जोखिम अधिक था। किंतु उद्यान विभाग के प्रोत्साहन, तकनीकी सलाह और उन्नत पौध सामग्री के उपयोग ने उनकी खेती की दिशा ही बदल दी। उचित सिंचाई प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग और नियमित देखभाल से फसल की गुणवत्ता बेहतर रही, जिससे बाजार में उन्हें अच्छा मूल्य प्राप्त हुआ। आज वे आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं, बल्कि अन्य किसानों को भी उन्नत तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ग्राफ्टेड बैंगन की खेती ने उनके परिवार की आय बढ़ाने के साथ-साथ गांव में आधुनिक कृषि की नई सोच को भी प्रोत्साहित किया है।

युवाओं को अध्यात्म से जोड़ने का अभिनव प्रयास है भजन क्लबिंग : मुख्यमंत्री साय

कार्यक्रम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भक्तों के संग खेली फूलों की होली

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित माधवास रॉक बैंड के बिगेस्ट भजन क्लबिंग कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भजन क्लबिंग युवाओं को अध्यात्म से जोड़ने का एक अभिनव और सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है और युवाओं के कंधों पर ही देश एवं प्रदेश का भविष्य टिका हुआ है। ऐसे आयोजन युवाओं को भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रसिद्ध भजन बैंड माधवास रॉक बैंड की संगीतमयी प्रस्तुति से पूरा वातावरण भक्ति भाव से सराबोर हो गया। राधा-कृष्णमय माहौल में मुख्यमंत्री श्री साय ने भी भक्तों के साथ फूलों की होली खेली। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक चेतना मंच द्वारा किया गया था।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमें अपनी जड़ों और प्राचीन परंपराओं को कभी नहीं भूलना चाहिए। भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि जब युवा अध्यात्म से जुड़ते हैं तो उनमें सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना और अधिक सशक्त होती है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के किसानों के हित में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और राज्य की लगभग 80 प्रतिशत आबादी कृषि से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है, जो किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक अन्नदाता किसानों के खातों में 10 हजार 324 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई है। प्रदेश के 146 विकासखंडों में राशि अंतरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि वे स्वयं बिल्हा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली से पहले किसानों के खातों में राशि पहुंचने से उनके परिवारजन हर्षोल्लास के साथ त्योहार मना सकेंगे।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, अजय जामवाल, आलोक डंगस, सामाजिक चेतना मंच के अध्यक्ष उज्ज्वल दीपक सहित अन्य पदाधिकारी, इस्कॉन रायपुर से स्वामी सुलोचन प्रभुजी, स्वामी तमाल कृष्ण प्रभुजी, स्वामी निखिलापति प्रभुजी, स्वामी रघुपति दास तथा बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

काशीराम बने ऊर्जादाता, 3 किलोवाट सोलर प्लांट से बिजली बिल शून्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शासन की महत्वाकांक्षी योजना पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर खैरागढ़, छुईखदान, गंडई जिले के नागरिक अब बिजली बिल के बोझ से मुक्त हो रहे हैं। इतना ही नहीं, वे अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर उसे ग्रिड में भेजते हुए ह्लऊर्जादाताह्व के रूप में नई पहचान भी बना रहे हैं।

केसीजी जिले के ग्राम टेकापार कला निवासी काशीराम श्रीवास ने इस योजना का लाभ लेते हुए अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार से प्राप्त सब्सिडी के कारण सोलर प्लांट लगवाना पहले की अपेक्षा काफी सरल हो गया है।

3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता के सोलर प्लांट पर केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये, कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस अनुदान के चलते आम नागरिक भी अब आसानी से सौर ऊर्जा को अपना रहे हैं।

श्री श्रीवास ने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनका मासिक बिजली बिल 1000 से 1500 रुपये के बीच आता था, लेकिन अब जनवरी माह का बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। उन्होंने कहा, पहले हम बिजली के उपभोक्ता थे, अब योजना का लाभ लेकर ऊर्जादाता बन गए हैं। जनवरी माह में उन्होंने 240 यूनिट बिजली का ग्रिड में एक्सपोर्ट भी किया है।

उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से न केवल आर्थिक बचत हो रही है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रदूषणमुक्त वातावरण भी तैयार हो रहा है। पारंपरिक बिजली उत्पादन से होने वाले प्रदूषण और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की तुलना में सौर ऊर्जा पूरी तरह स्वच्छ और पर्यावरण हितैषी है। श्री श्रीवास अन्य नागरिकों को भी इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

एक अगस्त 2025 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए पेंशन दिशा-निर्देश जारी, NPS और UPS में से चुन सकेंगे विकल्प

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के 'संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि' ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन योजनाओं के चयन के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 27 फरवरी 2026 को जारी इस आदेश के अनुसार, 1 अगस्त 2025 के बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को अब नेशनल पेंशन सिस्टम NPS या यूनिफाइड पेंशन स्कीम UPS में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया जाएगा।

मुख्य बिंदु और दिशा-निर्देश

संचालनालय द्वारा सभी जिला कोषालय अधिकारियों को भेजे गए इस पत्र में स्पष्ट किया गया है कि पेंशन का लाभ निम्नलिखित आधार पर तय होगा: सीधी भर्ती के लिए विकल्प: 1 अगस्त 2025 या उसके बाद विज्ञापित पदों पर चयनित होने वाले कर्मचारियों को कायर्भार ग्रहण करते समय NPS या UPS में से एक विकल्प चुनना होगा। इसी के आधार पर उनके वेतन से अंशदान की कटौती की जाएगी।

अनुकंपा नियुक्ति और डढर का लाभ: आदेश में एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया गया है कि यदि किसी कर्मचारी की अनुकंपा नियुक्ति का आदेश 31 जुलाई 2025 तक जारी हो चुका है, तो वे पुरानी पेंशन योजना (OPS) के पात्र होंगे, भले ही उन्होंने 1 अगस्त 2025 के बाद ड्यूटी जॉइन की हो। मृत्यु के प्रकरणों में प्रावधान: यदि 1 अगस्त 2025 के बाद सेवा में आए किसी कमर्चारी की असामयिक मृत्यु हो जाती है, तो उनके नॉमिनी (नाम निर्देशित व्यक्ति) को यह अधिकार होगा कि वह ठढर या वढर में से किसी एक पेंशन लाभ का चयन कर सके।

क्यों महत्वपूर्ण है यह निण ीय ?

राज्य शासन के इस कदम से नई नियुक्तियों में पेंशन को लेकर चल रही दुविधा दूर हो गई है। कर्मचारियों को अब अपनी वित्तीय प्राथमिकताओं के आधार पर बाजार आधारित ठढर या सुनिश्चित रिटर्न वाली वढर योजना में से चुनने की आजादी होगी। यह आदेश अपर संचालक, पेंशन एवं भविष्य निधि, छत्तीसगढ़ द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित किया गया है और इसे तत्काल प्रभाव से प्रदेश के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (DDO) को अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

संपादकीय

मनुष्य की बुद्धि को चुनौती

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के उद्घाटन भाषण में वैसे तो कई बातें कहीं लेकिन पूरे भाषण का सार यह है कि इसे भय के तौर पर देखा जाए या भाग्य के तौर पर। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एआई को भय के तौर पर देख रहे हैं लेकिन भारत इसे भाग्य के तौर पर देख रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एआई ने पूरी दुनिया में अगर नई संभावनाओं के रास्ते खोले हैं तो भय भी पैदा किया है। भय इसलिए क्योंकि यह पहली संज्ञानात्मक क्रांति है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि कृत्रिम बुद्धि मनुष्य की बुद्धि को चुनौती दे रही है। मनुष्य जो काम नहीं कर पाता था या जो काम करने में उसे घंटों या महीनों का समय लगता था वह काम अब एआई के जरिए चुटकियों में हो रहा है। इसलिए इसे सिर्फ नौकरी के लिए खतरे के तौर पर नहीं देखा जा सकता है। यह सभ्यता, संस्कृति और समस्य मानवीय मूल्यों के लिए चुनौती की तरह है।

जहां तक इस संज्ञानात्मक क्रांति में भारत की स्थिति की बात है तो उसकी एक झलक इसी एआई इम्पैक्ट समिट में दिखाई दी। पहले दिन जिस तरह की अव्यवस्था हुई उसे लेकर सोशल मीडिया में खूब तंज किए गए। कहा गया कि एआई समिट में ही एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसके बाद एक यूनिवर्सिटी की ओर से चीन के रोबोडॉग और कोरिया के ड्रोन को अपना बना कर पेश करने की घटना हुई, जिसने भारत की क्षमताओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। यह सही है कि उसे प्रतिनिधि घटना के तौर पर नहीं पेश किया जा सकता है लेकिन इस घटना ने एआई के सेक्टर में भारत की तैयारियों और उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने के लिए बाध्य किया है।

इस समिट में दुनिया भर के देशों के नेता या स्टार्टअप के फाउंडर्स या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की महाबली कंपनियों के प्रमुख भारत के बारे में क्या कहते हैं इससे कोई धारणा बनाने की जरुरत नहीं है। उनके लिए भारत एक बाजार है इसलिए वे बड़े बड़े निवेश के वादे कर रहे हैं या भारत की तारीफ कर रहे हैं। उनकी तारीफों के आधार पर भारत को अपना आकलन नहीं करना चाहिए। भारत को अपनी तैयारियों और उपलब्धियों का आकलन वस्तुनिष्ठ तरीके से करना चाहिए। भारत इसलिए एआई क्रांति में अग्रणी नहीं हो सकता है कि यहां ओपनएआई के प्लेटफॉर्म चैटजीपीटी के साढ़े 14 करोड़ यूजर्स हैं। भारत में तो फेसबुक के 45 करोड़ यूजर हैं लेकिन उससे भारत सोशल मीडिया क्रांति में अग्रणी नहीं हो गया है।

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे। सर्वम ने इसी समिट में लार्ज लैंग्वेज मॉडल पेश किया है। लेकिन उसकी कामयाबी तभी मानी जाएगी, जब भारत में करोड़ों लोग इसे इस्तेमाल करना शुरू करेंगे। जैसे चीन के डीपसीक ने चीन को लोगों की जरुरतें पूरी की कम से कम वैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म की भारत में जरुरत है। ध्यान रहे भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के तौर पर 'कूइ' और ऑफिस सूट के तौर पर 'जोहोइ' की चर्चा खूब हुई। लेकिन भारत के लोग इस्तेमाल अमेरिकी सोशल मीडिया और ऑफिस सूट ही करते हैं। अगर ऐसी स्थिति एआई में भी रही तो भारत इस क्रांति की बस भी मिस करेगा।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगमियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सवोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गो को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीघर्कालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सवोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कारर्वाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीघर्कालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गो को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीघर्कालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्वमतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहायर्ता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीघर्कालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभाथिर्यो को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कारर्वाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदशिर्ता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना: मजबूत हुई आजीविका की राह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जिले के विकासखण्ड लोरमी अंतर्गत ग्राम पंचायत औराबांधा में एक छोटी-सी पहल ने ग्रामीण आजीविका को नई दिशा दी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत हितग्राही किसान किशन सिंह के खेत में निर्मित आजीविका डबरी आज जल संरक्षण, सिंचाई और मछली पालन का सशक्त माध्यम बन चुकी है। हितग्राही किशन सिंह ने बताया कि पहले सिंचाई के लिए पानी की कमी बनी रहती थी, लेकिन अब डबरी बनने से खेत में वर्षभर पानी उपलब्ध रहेगा और मछली पालन से आय भी बढ़ेगी।

जिले में कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में आजीविका डबरी न केवल जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण आजीविका संवर्धन का भी प्रभावी माध्यम बन रहा है। योजना के तहत स्वीकृत 1.94 लाख रुपये की लागत से इस डबरी का निर्माण कराया गया। कार्य के दौरान कुल 792 मानव दिवस सृजित किए गए, जिससे स्थानीय मजदूरों को गांव में ही रोजगार मिला और पलायन में कमी आई। निर्मित डबरी अब खेतों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। वर्षा जल संचयन और भू-जल रिचार्ज के माध्यम से सिंचाई सुविधा सुनिश्चित हुई है, जिससे खरीफ और रबी दोनों मौसमों में फसल उत्पादन की संभावना बढ़ी है। पहले जहां पानी की कमी के कारण फसल प्रभावित होती थी, वहीं अब किसान आत्मविश्वास के साथ बहुफसली खेती की ओर अग्रसर है।

साथ ही, डबरी में मछली पालन की योजना से अतिरिक्त आय का स्थायी स्रोत विकसित हो रहा है, जो परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रहा है। जिले में आजीविका संवर्धन की दृष्टि से आजीविका डबरी निर्माण की अभिनव पहल व्यापक स्तर पर क्रियान्वित की जा रही है। वर्ष 2025-26 हेतु कुल 285 डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 218 कार्य प्रारंभ हो चुके हैं और 20 पूर्ण किए जा चुके हैं। शेष कार्यो को मार्च 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। यह पहल जल संरक्षण के साथ-साथ कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन को एकीकृत कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायित्व प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भारत इजराइल के बीच हुए 16 समझौते

सुनील दास

25 फरवरी को इजराइल के दो दिन के दौरे पर पीएम मोदी गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इजराइल दौरा मुकम्मल हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल के दौरे को आप भारत और इजराइलके रिश्तों का स्पेशल 27 भी कह सकते हैं क्योंकि करीब-करीब 27 घंटे का प्रधानमंत्री मोदी का ये इजराइल का दौरा था। 16 समझौते हुए हैं। 11 बड़े ऐलान हुए हैं। कुल 27 बाईलेटरल आउटकम्स। रिश्ते को नया नाम मिला है। स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को अब स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप कहा जाएगा। लेकिन इन सब भारीभरकम शब्दों का मतलब क्या है? इस दौरे की पूरी बैलेंस शीट क्या कहती है? भारत और इस्राइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द अंतिम रूप देंगे। रक्षा क्षेत्र में साझा डिवेलपमेंट, प्रॉडक्शन और टेक्नॉलजी ट्रांसफर पर काम करेंगे। संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देंगे। भारत का वढक पेमेंट सिस्टम इस्राइल में भी चलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच बैठक में रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, अक् तकनीक और कृषि जैसे क्षेत्रों में ऐसे 16 समझौतों और सहमति पत्रों पर मुहर लगी। साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में शांति और स्थिरता से भारत के हित जुड़े हैं। हम कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद और इसके समथर्को का विरोध करते रहे है और आगे भी करते रहेंगे। भारत मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (क्टएउ) और क्2व2 (भारत-इस्राइल यूएई-अमेरिका समूह) के तहत सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। मोदी ने कहा कि भारत और इस्राइल ने क्रिटिकल और इमर्जिंग टेक्नॉलजी पर साझेदारी क्वांटम और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी। सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस में भी सहयोग बढ़ाएंगे।

दोनों देशों की बातचीत में तकनीक फोकस में रही, इसमें साइबर सेक्योरिटी, इनोवेशन और एआई, रिसर्च और स्टार्ट अप शामिल है। विज्ञान और तकनीक पर मौजूद जॉइंट कमिशन को मंत्रीस्तरीय दर्जे तक ले जाने का फैसला लिया गया। इससे इस क्षेत्र में समन्वय में मदद मिलेगी।भारत में इस्त्राइल की मदद से चल रहे 43 सेंटर ऑफ एक्सीलेस को विस्तार देकर 100 करने पर फैसला। भारत में भारत में एग्रीकल्चर इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर की स्थापना होगी।दोनों प्रधानमंत्रियों ने ईरान और अमेरिका के मौजूदा तनाव को लेकर बातचीत की। शांति से बातचीत पर जोर दिया। कहा, गाजा के पुननिर्माण में भी भूमिका देख रहे है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस दौरान इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसहाक हजीग से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने शिक्षा, स्टार्टअप, नवाचार, प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-इस्त्राइल विशेष साझेदारी को मजबूत करने में राष्ट्रपति हजीग के अटूट समर्थन के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने इस्राइल के राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता भी दिया।भारत और इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर दूसरे दौर की बातचीत मई में करेंगे। यह वार्ता इस्त्राइल में होगी। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार से शुरू हुआ वार्ता का पहला दौर गुरुवार को पूरा हुआ।

एक सुंदर, सघन और महत्वाकांक्षी फिल्म 'ओ' रोमियो'

पंकज दुबे

फिल्म पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी की किताब 'द माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' से प्रेरित है, जिसका स्क्रीनप्ले खुद विशाल भारद्वाज ने लिखा है। जैदी की लेखनी जहां अपराध जगत की स्त्रियों की जटिल दुनिया को दस्तावेजी सटीकता के साथ खोलती है। आज के 'सिने-सोहबत' में विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ' रोमियो' पर विमर्श करते हैं। विशाल भारद्वाज जब भी सिनेमा बनाते हैं, वे कहानी नहीं, एक वातावरण रचते हैं। उनकी फिल्मों में हवा तक का रंग होता है और उस रंग में धूल, खून, प्रेम और पछतावे की परतें तैरती रहती हैं। 'ओ' रोमियो' इसी परंपरा का विस्तार है। एक ऐसी फिल्म जो माफिया की दुनिया को महज अपराध की कथा नहीं, बल्कि मनुष्यता की विडंबना के रूप में देखती है।

यह फिल्म पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी की किताब 'द माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' से प्रेरित है, जिसका स्क्रीनप्ले खुद विशाल भारद्वाज ने लिखा है। जैदी की लेखनी जहां अपराध जगत की स्त्रियों की जटिल दुनिया को दस्तावेजी सटीकता के साथ खोलती है, वहीं विशाल भारद्वाज उसे सिनेमाई काव्य में रूपांतरित करते हैं। परिणामस्वरूप हमें एक ऐसा टेक्सचर मिलता है, जिसमें यथार्थ और रूपक एक-दूसरे में विलीन हो जाते हैं।

सबसे पहले बात करते हैं फिल्म 'ओ' रोमियो' की कहानी की। फिल्म का केंद्र है, उस्तुरा, जिस किरदार को शाहिद कपूर ने बारीकियों से निभाया है। उस्तुरा एक सुपारी किलर है, जिसकी आंखों में स्थिरता है और चाल में एक अजीब-सी ठंडक। वह पेशे से कातिल है, लेकिन उसके भीतर एक घायल कवि भी छिपा है। कहानी का सूत्रपात तब होता है जब एक स्त्री उसके पास आती है, जिसका मक़सद है अपने पति की हत्या का बदला लेना। उसका पति गैंग में अकाउंटेंट था और अब आगे लम्बे समय तक गैंग में शामिल होने से मना कर देता है और मारा जाता है। वह चाहती है कि उस्तुरा उन सभी लोगों का सफाया कर दे, जिन्होंने मिलकर नायिका के पति को मार डाला। यहीं से 'ओ' रोमियो' एक रिवेंज ड्रामा की शक्ल लेती है लेकिन यहीं वो पॉइंट है जो इस फिल्म की पहली समस्या भी है- 'इमोशनल डिस्कनेक्ट'।

नायिका (तृप्ति डिमरी) के विवाह, उसके प्रेम और उसके पति की हत्या का जो भावनात्मक परिप्रेक्ष्य होना चाहिए था, वह घोर अपर्याप्त है। दर्शक उसके दर्द से जुड़ नहीं पाते क्योंकि पटकथा उसे पर्याप्त स्क्रीन-टाइम नहीं देती। उसकी त्रासदी का ताप दशर्को तक पूरी तरह संप्रेषित हो ही नहीं नहीं पाता। यहां विशाल भारद्वाज की पोएट्री कहीं-कहीं पटकथा की कसावट पर भारी पड़ती दिखती है। शाहिद का उस्तुरा एक सधे हुए अभिनेता की परिपक्वता का उदाहरण है। उनके संवाद कम हैं, पर आंखों का संवाद मुखर है। वे अपने शरीर की भाषा से किरदार को जीवित करते हैं। हिंसा के दृश्यों में वे अतिरेक से बचते हैं और यही संयम उनके अभिनय को प्रभावी बनाता है।

नायिका (तृप्ति डिमरी) की भूमिका संभावनाशील थी, परंतु लेखन की कमी ने उसे सीमित कर दिया। उसके चरित्र में प्रतिशोध की ज्वाला है, पर उस ज्वाला की पृष्ठभूमि अधूरी है। स्पेन में बैठा खलनायक, जिसे अविनाश तिवारी ने निभाया है, अपने 'बुल फाइट' के शौक में अधिक दिखता है, पर उसके भीतर की वैचारिक या भावनात्मक प्रेरणा स्पष्ट नहीं होती। उसका मोटिव धुंधला है। वह क्यों इतना क्रूर है? उसकी महत्वाकांक्षा क्या है? उसकी निजी हानि या महत्वाकांक्षा का आयाम क्या है? इन प्रश्नों का उत्तर फिल्म नहीं देती। परिणामस्वरूप वह एक प्रभावशाली दृश्य उपस्थिति तो बनता है, पर स्मरणीय खलनायक नहीं। एक वक़्त के बाद वह डरावना विलेन नहीं, बल्कि एक ड्रामा करता कैरीकेचर ही लगता है। बाकी कलाकारों में नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया के साधे हुए काम के साथ साथ अरुणा ईरानी और फरीदा जलाल को भी काफी समय के बाद बड़े परदे पर देखने का मौक़ा मिलता है।

विशाल भारद्वाज की सभी फिल्मों में संगीत तो शानदार होता ही है। इसमें भी संगीत विशाल का ही है और गीत लिखे हैं गुलजार ने। इन दोनों की कॉम्बिनेशन हमेशा ही डेडली रहती है। इस फिल्म में भी धुनों में छिपी दास्तान रह रह कर कंफ्यूज करती है कि कहीं हम फिल्म को नकार देने में जल्दबाजी तो नहीं कर रहे। यहां भी बैकग्रॉउंड म्यूजिक में सूफियाना तान और पश्चिमी गिटार का संगम है। गीतों में एक गजलनुमा उदासी है, जो माफिया की दुनिया के भीतर भी प्रेम की संभावना को जीवित रखती है। कुछ गीत कहानी को आगे बढ़ाते हैं, पर कुछ स्थानों पर गति को बाधित भी करते हैं। एडिटिंग की दृष्टि से कुछ ट्रैक्स को बहुत आसानी से छोटा किया जा सकता था। फिल्म का विजुअल पैलेट गहरा है। मटमैले रंग, बारिश से भीगी गलियां, और समुद्र के किनारे की वीरानी। मुंबई यहां सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि एक पात्र है। कैमरा अक्सर स्थिर रहता है, जैसे अपराध के शोर के बीच भी कोई मौन साक्षी हो। स्पेन के दृश्य, विशेषकर बुल फाइट एक रूपक की तरह इस्तेमाल किए गए हैं। मनुष्य और पशु की लड़ाई यहां सत्ता और वर्चस्व की प्रतीक बनती है। परंतु, यह रूपक जितना सुंदर दिखता है, उतना ही भावनात्मक स्तर पर अलग-थलग भी प्रतीत होता है। खलनायक का स्पेन में व्यस्त रहना कहानी की मुख्य धारा से उसे काट देता है।

विशाल भारद्वाज का निर्देशन हमेशा की तरह सधा हुआ है। वे हिंसा को ग्लैमराइज नहीं करते, बल्कि उसे एक नैतिक प्रश्न की तरह प्रस्तुत करते हैं। कैमरे की गति, फ्रेम की रचना और प्रकाश का प्रयोग उन्हें समकालीन निर्देशकों से अलग करता है। परंतु, इस बार उनकी शेक्सपीरियन प्रवृत्ति कहीं-कहीं कथा की ठोस जमीन से दूर ले जाती है। फिल्म का शीर्षक 'ओ 'रोमियो' अपने भीतर प्रेम और त्रासदी का संकेत देता है, पर प्रेम की वह गहराई परदे पर पूरी तरह साकार नहीं हो पाती।

'ओ' रोमियो' की पटकथा में कई चमकते क्षण हैं। इसके संवादों में साहित्यिकता है, दृश्य-रचना में प्रतीकात्मकता है लेकिन इमोशंस के डिपाटर्मेंट में यह फिल्म सभी तामझाम के बावजूद चूक जाती है। चूंकि फिल्म का स्रोत 'द माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' है, इसलिए अपेक्षा थी कि स्त्री के दृष्टिकोण को अधिक गहराई से उभारा जाएगा। फिल्म उस दिशा में जाती तो है, पर पूणर्ता तक नहीं पहुंचती। फिल्म यह प्रश्न उठाती है कि क्या अपराध की दुनिया में भी प्रेम संभव है? क्या प्रतिशोध ही मुक्ति है? क्या हिंसा के चक्र से बाहर निकलने का कोई रास्ता है?

'ओइ रोमियो' एक सुंदर, सघन और महत्वाकांक्षी फिल्म है। यह मनोरंजन से अधिक एक अनुभव है। शाहिद कपूर का प्रदर्शन लंबे समय तक याद रहेगा। विशाल भारद्वाज की सौंदर्य दृष्टि एक बार फिर सिद्ध करती है कि वे भारतीय सिनेमा के सबसे विशिष्ट फिल्मकारों में से एक हैं। परंतु, यह फिल्म महान होने से कुछ कदम दूर रह जाती है। मुख्यतः भावनात्मक निवेश की कमी और खलनायक की अस्पष्टता के कारण। फिर भी, इस फिल्म को इसलिए भी देखना जरूरी है क्योंकि यह हमें याद दिलाती है कि अपराध की दुनिया में भी कविता छिपी हो सकती है, और प्रेम कभी-कभी उस्तुरे की धार पर भी खिल सकता है। यह ऐसा सिनेमा है जो चोट भी करता है और सोचने पर मजबूर भी।

मां पाताल भैरवी सिद्धपीठ में होलिका दहन 2 को, 3 को मंदिर के पट रहेंगे बंद

3 मार्च मंगलवार को चंद्रग्रहण होने के कारण प्रात : आरती पूजन पश्चात सुतक प्रारंभ 9 बजे से

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मानव सेवा एवं जनकल्याण के लिए अंचल सहित देशभर में पहचान बना चुकी नगर की सेवाभावी संस्था बर्फानी सेवाश्रम समिति द्वारा बर्फानी आश्रम परिसर में 2 मार्च सोमवार की मध्य रात्रि पश्चात होलिका दहन किया जाएगा एवं 3 मार्च मंगलवार को चंद्रग्रहण के चलते मंदिर के पट संध्या ग्रहण समाप्ति तक बंद रहेंगे।

संस्था के सचिव गणेश प्रसाद शर्मा 'गन्नू' ने बताया कि मां काली स्वरूपनी पाताल भैरवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी दस महाविद्या द्वादश ज्योर्तिलिंग शिव शक्ति सिद्धपीठ में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हिन्दू पर्व में से एक फागुन मास की पूणिर्मा पर पड़ने वाली होलिका दहन 2 मार्च सोमवार को मध्य रात्रि पश्चात विधि विधान से पूजा अचर्ना कर होलिका दहन किया जाएगा। आपसी भाईचारे व सामाजिक सौहाद्र का यह पर्व फागुन की मस्ती व रंग गुलाल के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक फाग गीतों के माध्यम से लोक कलाकार व बैगा ग्रुप के सदस्य इस अवसर पर ढोल नगाड़ों के साथ फाग गीतों की प्रस्तुति भी देते हैं।

कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राजेश मारु, उपाध्यक्ष दीपक जोशी, सचिव गणेश प्रसाद शर्मा 'गन्नू', कोषाध्यक्ष नीलम जैन, महंत गोविंद दास, महेन्द्र लुनिया, कुलबीर सिंह छाबड़ा, सूरज जोशी, आलोक जोशी, बलविंदर सिंह भाटिया, मनीष परमार, संजय खंडेलवाल, लीलाधर सिंह के अलावा आसपास के मोहल्लेवासी व श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित रहेंगे। देश में पहचान बना चुकी मां काली स्वरूपनी पाताल भैरवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी दस महाविद्या द्वादश ज्योर्तिलिंग शिव शक्ति सिद्धपीठ के तीनों तलों में विराजमान देवी देवताओं के साथ ही रामदरबार एवं पारेश्वर महादेव व श्री बर्फानी दादा के मंदिरें के पट 3 मार्च मंगलवार को चंद्रग्रहण होने के कारण प्रातः आरती पूजन पश्चात सुतक प्रारंभ 9 बजे से चंद्रग्रहण समाप्ति संध्या 7 बजे तक बंद रहेंगी। इसके पश्चात देवी देवताओं का गंगाजल व शुद्ध जलों से स्नान ध्यान करने के पश्चात आरती पूजन की जाएगी।

खास खबर

जनस्नेह के बीच मना खुज्जी विधायक भोलाराम का जन्मदिन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

खुज्जी विधायक भोलाराम साहू का जन्मदिन ग्राम छछानपहरी, कुमरदा और बांधा बाजार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने पुष्पमालाओं से स्वागत कर केक काटा और उनके स्वस्थ व दीर्घ जीवन की कामना की। विधायक साहू ने जनस्नेह के लिए आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला।

आचार्य जिनमणि प्रभ सुरीश्वर के 66 वें अवतरण दिवस पर भण्डारे का आयोजन

खैरागढ़। आचार्य जिनमणि प्रभ सुरीश्वर के 66 वें अवतरण दिवस पर भव्य आयोजन पुराना बस स्टैंड में भंडारे का एवं छातागढ़ गोशाला में गायों की सेवा की। आचार्य भगवंत जिनमणि प्रभ सुरीश्वर जी के 66 वें अवतरण दिवस हर्ष और उल्लास के वातावरण में सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आचार्य भगवंत का जन्म महोत्सव मनाया गया। छातागढ़ स्थित गौशाला में गायों को चारा एवं रोटी खिलाकर जीवदया का संदेश दिया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर जैन समाज के आचार्य की जन्म जयंती मनाई। अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद एवं अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद, दुर्ग के तत्वावधान में संपन्न हुआ जिसमें दुर्ग में मूर्ति पूजक संध के कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संकल्प से सिद्धि को समर्पित बजट : विक्रांत सिंह

महतारी वंदन योजना, महतारी सदन, सड़क, पानी व पुलिया के लिए बजट में प्रावधान

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

संकल्प बजट रहा ऐतिहासिक,जिपं. उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026 -27 के संकल्प बजट का हृदय से स्वागत किया है,उन्होंने इस बजट को जन आकांक्षाओं का प्रतिबिम्ब और राज्य के सर्वांगीण विकास का रोडमैप बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वित्तमंत्री ओपी चौधरी, सांसद संतोष पांडे को बधाई दी है।। विक्रांत सिंह ने कहा कि बजट में महिला सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना, महतारी सदन, सड़क, पानी व पुलिया के लिए बजट में प्रावधान किया गया है,जो एक अच्छा प्रयास है,छत्तीसगढ़ की विकास को नई दिशा प्रदान करने का विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में पहचान होगी मैं इसकी सराहना करता हूं।

बजट में युवाओं को लेकर बहुत बड़ी घोषणा की गई है प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य परीक्षाओं में भी युवाओं को प्रेरित करने वाला जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले घोषणा किये जाने की सराहना करता हूं विक्रांत सिंह ने विशेषकर नवगठित जिला खैरागढ़ - छुईखदान - गंडई के बहुप्रतीक्षित मांग। गण्डई-लिमो-दुल्लापुर मार्ग में कर्रा नाला पर उच्च स्तरीय पुल सहित पहुंच मार्ग का निर्माण अनुमानित लागत 200 लाख बजट प्रावधान 20 लाख, गण्डई से कृतबांस मार्ग में स्थित सुरही नदी पर उच्च स्तरीय पुल सहित पहुंच मार्ग का निर्माण अनुमानित लागत 200 लाख बजट प्रावधान 20 लाख, खैरागढ़-छुईखदा ?-गण्डई के ग्राम चिचका-कुरूभाठ में नाला पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित लागत 320 लाख बजट प्रावधान 32 लाख, जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के एस.एच. 21 धमधा -गंडई मार्ग के कि.मी. 25/8 पर दनिया नाला पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित लागत 760 लाख बजट प्रावधान 76 लाख, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के कोपरो-ग्वालघुन्डी मार्ग के कि.मी. 4/2, 4/8 एवं 5/2 के नाला में 3 नग (60-60 मी.) में उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित लागत 720 लाख बजट प्रावधान 72 लाख है।

जिला खैरागढ़ के कुकुरमुड़ा में सिघौरी मार्ग लंबाई 4.20 कि.मी. का मजबूजतीकरण कार्य अनुमानित लागत 420 लाख बजट प्रावधान 42 लाख, छुईखदान के बीरूटोला से गडबांजा मार्ग लंबाई 5.50 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के सोनपुरी से कुटेली मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित अनुमानित लागत 810 लाख बजट प्रावधान 81 लाख, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के गातापार कला से विष्णुपुर मार्ग लम्बाई 3.40 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य, जिला खैरागढ़ छुईखदान गडंई के गभरा से शाखा मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित, जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के तेन्दुभाठा से जोम ओटेबंध तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 3.80 कि.मी. पुल पुलिया सहित, जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के बीरूटोला से कुलीकसा मार्ग लंबाई 4.50 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित अनुमानित लागत 880 लाख बजट प्रावधन 88 लाख है।

जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के उदयपुर से खैरी मार्ग कार्य लम्बाई 3.50 कि.मी. पुल पुलिया सहित, जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के बेंगरी से भरदा मार्ग लंबाई 4.50 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित, जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के कुकुरमुड़ा से गुमानपुर मार्ग लंबाई 3.50 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित अनुमानित लागत 560 लाख बजट प्रावधान 56 लाख,जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के धमधा गण्डई मार्ग लंबाई 8.60 कि.मी. हेतु सर्वेक्षण का कार्य अनुमानित लागत 40 लाख, बजट प्रावधान 4 लाख, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के खैरागढ़ में 500 मीटर मल्टीपर्पस हॉल का निर्माण कार्य अनुमानित लागत 400 लाख बजट प्रावधान 40 लाख, जिला जेल खैरागढ़ (सलोनी ग्राम) जेल सुरक्षा से जुड़े आवश्यक निर्माण कार्य (मुख्य दीवार की उचांई में वृध्दि) संभावित राशि 15.00 लाख, उप संचालक कृषि एवं पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशाला के भवन निर्माण को बजट में शामिल करने पर छत्तीसगढ़ सरकार का आभार जताया है।

बजट को ग्रामीण विकास के लिए मील का पत्थर-जितेन्द्र साहू

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ विधानसभा में पेश 1.72 लाख करोड़ रुपये के बजट को लेकर जनपद सरपंच संघ में उत्साह है। भोथीपार खुर्द के सरपंच एवं जनपद सरपंच संघ अध्यक्ष जितेंद्र साहू ने बजट को ग्रामीण विकास के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि बजट से ग्रामीण सड़कों, पुल-पुलिया, जल संरक्षण, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। भोथीपार खुर्द से उसरीबोड़ मार्ग (2 किमी, 1.92 करोड़), स्कूल से वार्ड 5 तक सड़क (1.5 किमी, 1.50 करोड़) तथा भोथीपार खुर्द से अर्जुंदा मार्ग (4 किमी, 4.8 करोड़) जैसे कार्य प्रस्तावित हैं। साहू ने डॉ. रमन सिंह का आभार जताते हुए कहा कि यह बजट गांवों को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों, युवाओं, महिलाओं के लिए नई संभावनाएं खोलने वाला है।

दपूम रेलवे सह प्रधान आयुक्त व खुर्शीद का नागपुर मंडल ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / नागपुर

मुनव्वर खुर्शीद, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, दपूम रेलवे, बिलासपुर द्वारा नागपुर मंडल के एक दिवसीय दौरे के दौरान रेसुब सेटलमेंट पोस्ट मोतीबाग, मंडल मुख्यालय कार्यालय, बैरक, शस्त्रागार एवं अन्य इकाइयों का निरीक्षण किया गया।

दौरे के क्रम में मोतीबाग स्थित रेसुब सेटलमेंट पोस्ट में महिला बल सदस्यों हेतु नवनिर्मित चेंजिंग रूम का उद्घाटन कर उसे महिला कर्मियों को समर्पित किया गया। इस अवसर पर दीप चंद्र आर्य, मंडल सुरक्षा आयुक्त/रेसुब नागपुर सहित मंडल के अधिकारी एवं बल सदस्य उपस्थित रहे। महानिरीक्षक के मंडल सुरक्षा आयुक्त कार्यालय आगमन पर मंडल मुख्यालय का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात रेलवे इंस्टीट्यूट मोतीबाग प्रांगण में 'सम्मान गार्ड' द्वारा उन्हें सलामी दी गई, जिसका निरीक्षण भी उन्होंने किया।

इस दौरान आयोजित सुरक्षा सम्मेलन में उन्होंने अधिकारियों एवं बल सदस्यों को संबोधित करते हुए बल के आधुनिकीकरण, ड्यूटी के दौरान आधुनिक चुनौतियों से निपटने हेतु नवीन तकनीकों एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य, फिटनेस, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं सूचनाओं के प्रभावी संकलन के महत्व पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया।

महानिरीक्षक महोदय ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों एवं उपलब्धियों की सराहना की। निरीक्षण के क्रम में केन्द्रीय पुलिस बल सुविधा कैंटीन, रेसुब बैरक मोतीबाग, डॉग स्क्वाड तथा सेटलमेंट पोस्ट कार्यालय एवं अभिलेखों का भी निरीक्षण किया गया तथा व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले बल सदस्यों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा सभी को इसी प्रकार समर्पण भाव से कार्य करते रहने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

श्री सत्य साई समिति ने किया जिला अस्पताल में सेवा कार्य

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आध्यात्मिक एवं सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली श्री सत्य साई सेवा समिति दुर्ग के सम्मानित सदस्यों द्वारा जिला चिकित्सालय दुर्ग के शिशु वार्ड एवं महिला रोग विभाग में सेवा कार्य संपन्न किया गया।

सेवा कार्य के दौरान समिति के सदस्य आर. के. तिवारी, हरिश्चंद्र ठाकुर, दिलीप ठाकुर, संजय गणवीर, संजय कानखोजे, सुंदर बंसल एवं के. आर. ध्रुव उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने वार्ड में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से आत्मीय संपर्क कर उनका हालचाल जाना तथा आवश्यक सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर मरीजों को ब्रेड, बिस्किट का वितरण किया गया तथा चिन्हित जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक इंजेक्शन भी उपलब्ध कराए गए। समिति द्वारा यह सेवा कार्य निस्वार्थ भाव से निरंतर किया जाता रहा है।

उल्लेखनीय है कि स्वामी के निर्देशानुसार यह हॉस्पिटल विजिट सेवा विगत लगभग 35 वर्षो से प्रत्येक माह के रविवार को प्रातः लगभग 10 बजे नियमित रूप से संपादित की जा रही है। इसके अतिरिक्त विशेष पर्वो पर महानारायण सेवा का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें व्यापक स्तर पर सेवा कार्य संपन्न होते हैं। मरीजों की सेवा एवं रचनात्मक कार्यो के लिए समर्पित इस समिति को समाज में विशेष सम्मान प्राप्त है। जनहित एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उनके सतत योगदान के लिए समिति के सदस्यों को सम्मानित भी किया गया।

पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक में कई बड़े फैसले, प्रांतीय अधिवेशन 12 अप्रैल को

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ अधिकारी-कमर्चारी पेंशनर्स एसोसिएशन की कायर्कारिणी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष पीआर यादव की अध्यक्षता में कमर्चारी भवन में संपन्न हुई। बैठक में पेंशनरों के हित और संगठन विस्तार को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि एसोसिएशन का द्वितीय प्रांतीय अधिवेशन 12 अप्रैल 2026 को जांजगीर में आयोजित किया जाएगा। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत महंगाई राहत भुगतान को छत्तीसगढ़ में लागू कराने हेतु याचिका दायर करने का अधिकार प्रदेश अध्यक्ष को दिया गया।

सेवानिवृत्त कमर्चारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना लागू करने की मांग मुख्यमंत्री को ज्ञापन के जरिए भेजी जाएगी। पेंशन में 20 प्रतिशत वृद्धि और आयु सीमा को 70 वर्ष करने की जोरदार मांग की गई। बिलासपुर जिले में सदस्यता अभियान को पुनः जोर-शोर से चलाने का निर्णय लिया गया। तहसीलों में प्रांतीय और जिला पदाधिकारी पेंशनरों से घर-घर संपर्क करेंगे। बैठक में 20 नए सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की।

बिलासपुर जिला के लिए अध्यक्ष राजकुमार मिश्रा और सचिव निरंकार तिवारी (सहायक ग्रेड 2, वन विभाग से सेवानिवृत्त) नियुक्त किए गए। कोरबा जिला में अध्यक्ष प्रभात शर्मा और प्रांतीय सचिव सुरेश कुमार द्विवेदी को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कोरबा में सदस्यता अभियान शुरू कर पुराने पेंशनरों को एसोसिएशन से जोड़ने का निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रांतीय पदाधिकारी आरपी सिंह, अशोक भार्गव, ललित पांडेय, एसपी करोसिया, डीएल डहरिया, राजेंद्र चंद्राकर, एके साहू, कोमल पटनवार, राजीव कस्तूरे, बिलासपुर जिला अध्यक्ष राजकुमार मिश्रा, तखतपुर अध्यक्ष नंद कुमार साहू, मस्तूरी अध्यक्ष किशून राठौड़, जांजगीर-चांपा जिला अध्यक्ष एमपी राठौर, सचिव जीएस उपाध्याय, संभागीय अध्यक्ष जेपी उपाध्याय, कोरबा अध्यक्ष प्रभात शर्मा,ए प्रांतीय सचिव सुरेश द्विवेदी, निरंकार तिवारी सहित 100 से अधिक पेंशनर्स सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में लिए गए निर्णय संगठन को मजबूत करने और पेंशनरों के हितों के लिए नए कदम साबित होंगे।

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में हुआ वार्षिक पदक वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गौरव पथ स्थित शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के हरे-भरे एवं ऊर्जावान परिसर में 28 फरवरी को आयोजित वार्षिक पदक वितरण समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम (सत्र 2025-26) साथ में महाविद्यालय की पत्रिका अभ्युदय का विमोचन अत्यंत गरिमामय एवं ऐतिहासिक वातावरण में सांसद संतोष पांडे मुख्य अतिथि, अध्यक्षता मधुसूदन यादव महापौर विशिष्ट अतिथि गण खूबचंद पारख सचिन सिंह बघेल पूर्व प्राचार्य श्रीमती सुमन बघेल की गरिमामय उपस्थिति में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।समारोह का प्रारंभ मां सरस्वती के पहले चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर हुआ, यह समारोह मेधावी विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के सम्मान के साथ-साथ शिक्षा, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण एवं संस्थागत विकास के संकल्प का प्रतीक बनकर उभरा। कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र-छात्राएँ, अभिभावक, प्राध्यापकगण, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रभारी प्राचार्या डॉ. निमर्ला उमरे ने स्वागत भाषण में महाविद्यालय की भावी विकास योजनाओं का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, रिक्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों की पूर्ति, 20 किलोवॉट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना तथा आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से युक्त ग्रंथालय-वाचनालय का निर्माण प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से महाविद्यालय एक आदर्श एवं आत्मनिर्भर संस्थान के रूप में स्थापित होगा। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संतोष पांडेय (सांसद, राजनांदगांव) ने विद्यार्थियों को उच्च आदर्शों, निरंतर परिश्रम एवं राष्ट्रसेवा की भावना अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने स्वर्ण पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता परिवार, शिक्षकों एवं समाज की सामूहिक साधना का परिणाम है।

उन्होंने महाविद्यालय को दो आधुनिक इंटरएक्टिव स्मार्ट बोर्ड प्रदान करने की घोषणा करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मधुसूदन यादव (महापौर, राजनांदगांव) ने की। उन्होंने महाविद्यालय को शहर की शैक्षणिक शान बताते हुए परिसर विकास हेतु पीछे की बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए 15 लाख रुपये तथा महाविद्यालय के सेमिनार हाल मे अतिरिक्त निर्माण गार्डन हेतु एवं काऊ केचर के लिए आश्वस्त किया की यह कार्य निश्चित ही होगा। उन्होंने इसे युवाओं के उज्ज्वल भविष्य में निवेश बताया।

जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रवि सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन पूरे समाज का उत्सव है। समिति शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है पदक पाने वाले विद्यार्थियों से कहा कि यह सिर्फ धातु का टुकड़ा नहीं-यह आपके पसीने की चमक है ! यह आपकी रातों की मेहनत का उजाला है ! यह आपके सपनों की पहली उड़ान है ! और कहा की अतिथियों की घोषणाओं से महाविद्यालय की विकास योजनाओं को नई गति मिलेगी।

सांस्कृतिक संध्या में देश के विभिन्न राज्यों की लोक एवं शास्त्रीय कलाओं के साथ आधुनिक नृत्य-संगीत की मनोहारी प्रस्तुतियों ने दशर्कों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन एवं उत्साह ने पूरे वातावरण को ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. एस.आर. कन्नोजे ने किया तथा अंत में अनिल चंद्रवंशी ने आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथियों एवं जन भागीदारी के समस्त सदस्यों सहित सभी सहयोगियों के प्रति गहन कृतज्ञता प्रकट करते हुए इस आयोजन को शिक्षा, संस्कृति एवं सामुदायिक समन्वय की प्रेरणादायी मिसाल बताया।

बिलासपुर में अलवा फाउंडेशन की बैठक, सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

अलवा फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. हेम शंकर जेठमल साहू ने रविवार को इंडियन कॉफी हाउस में बिलासपुर जोन के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से आम लोगों तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

डॉ. साहू ने कहा कि फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य किसानों, महिलाओं और जरूरतमंद वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने पदाधिकारियों से योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और कृषि ऋण माफी योजना शामिल रहीं। पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पात्र किसानों को इन योजनाओं से जोड़ने में सहयोग करें।

महिला समूहों को आत्मनिर्भर बनाने वाली योजनाओं पर भी मंथन हुआ। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला शक्ति केंद्र और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में संचालित योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन-धन योजना तथा छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया।

बैठक में यह भी कहा गया कि सामाजिक संगठन और क्लब सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी बन सकते हैं। डॉ. साहू ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे। अलवा फाउंडेशन समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सुझाव दिए और संगठन के साथ मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया। फाउंडेशन की इस पहल को समाज के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यश की 'टॉक्सिक' में नए कलाकार की एंट्री, सामने आया एक्टर का नया लुक

यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' सुर्खियों में है। फिल्म के मेकर्स हर दिन इसकी अपडेट दे रहे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी हुआ है जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। अब मेकर्स ने फिल्म के एक और कलाकार का लुक जारी किया है। मेकर्स ने फिल्म से अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है।

अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी

केवीएन प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पर अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है। इसमें वह टोनी के रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में टोनी भूरे रंग के ड्रेस में हैं। वह खून से लथपथ हैं। पोस्टर में देखा जा सकता है कि उनके आस-पास कई घायल लोग पड़े हुए हैं। इन लोगों के हाथ-पैर रस्सी से बंधे हैं। फिल्म में यश, राया और टिकट के डबल रोल में नजर आएंगे। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में राया पर ज्यादा फोकस किया गया है। इसमें उन्हें एक खतरनाक गैंगस्टर के तौर पर दिखाया गया। टीजर में भरपूर एक्शन है।

फिल्म की स्टारकास्ट

मेकर्स ने फिल्म से कई कलाकारों के लुक शेयर किए हैं। इसमें नादिया के रोल में कियारा आडवाणी, गंगा के रोल में नयनतारा, एलिजाबेथ के रोल में हुमा कुरैशी, रेबेका के रोल में तारा सुतारिया, टोविनो थॉमस, डेरेल डी'सिल्वा और मेलिसा के रोल में रुक्मिणी वसंत होंगी।

कौन है निर्देशक?

फिल्म 'टॉक्सिक' को यश और डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है। यह फिल्म 1940 और 1970 के दशक के बीच गोवा में सेट है। कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट की गई यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम जैसी भाषाओं में रिलीज होगी।

कब रिलीज होगी 'टॉक्सिक'?

टॉक्सिक 19 मार्च, 2026 को रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' के साथ बॉक्स ऑफिस पर क्लैश करने वाली है। दोनों ही बड़ी फिल्में हैं। देखना होगा कि कौन सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिक पाती है।

'द ब्लफ' के लिए प्रियंका चोपड़ा ने किया स्टंट डबल का इस्तेमाल

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड की देसी गर्ल से हॉलीवुड की एक्शन गर्ल बनने तक का सफर बखूबी तय किया है। जल्द ही वह एक हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' में लीड रोल में दिखेंगी। इस फिल्म को लेकर प्रियंका काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन फिल्म में कई एक्शन सीन्स प्रियंका ने खुद नहीं किए। इसकी वजह भी वह साझा करती हैं।

खतरनाक शॉट्स से प्रियंका ने बनाई दूरी

हाल ही में वैरायटी से की गई बातचीत में प्रियंका चोपड़ा ने कहा, 'कुछ शॉट्स ऐसे थे जिनके लिए मुझे अपने स्टंट डबल पर डिपेंड रहना पड़ा। स्टंट डबल को तीन या चार खतरनाक शॉट्स करने पड़े। इसमें चेहरे पर कांच लगने वाले सीन्स भी शामिल थे।'

प्रियंका चोपड़ा आगे कहती हैं, 'यह चॉइस सिर्फ मेरी नहीं थी। प्रोडक्शन टीम को भी चिंता थी। उन्होंने मुझे खतरनाक स्टंट करने नहीं दिए। देखिए, मैं हीरो नहीं हूं, मैं काम करने के लिए काम पर जाती हूं। मैं नहीं चाहती कि किसी को चोट लगे या मुझे खुद को भी चोट लगे।'

फिल्म 'द ब्लफ' में क्या है प्रियंका चोपड़ा का किरदार?

प्रियंका चोपड़ा और कार्ल अर्बन स्टारर 'द ब्लफ' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। फ्रैंक ई फ्लावर्स के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म एक कैरिबियन महिला की कहानी है, जिसका

सीक्रेट पास्ट तब सामने आता है जब समुद्री लुटेरे उसके आइलैंड पर हमला करते हैं। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा ने गजब का एक्शन भी किया है।

इन प्रोजेक्ट्स में भी आएंगी देसी गर्ल नजर

प्रियंका चोपड़ा के करियर ग्रॉफ की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है।

अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' में हुई मिथिला पालकर की एंट्री

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपने गेम रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में व्यस्त हैं। वहीं अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर भी चर्चाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए एक बार फिर अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी बड़े पर्दे पर वापस लौट रही है। अब फिल्म की कास्ट में एक नई अभिनेत्री का नाम सामने आया है।

अक्षय की बहन का किरदार निभाएंगी मिथिला

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी स्टारर 'भूत बंगला' में अब एक नया नाम शामिल हो गया है। इस नाम के बारे में खुद अक्षय ने जानकारी दी है। ये नाम है अभिनेत्री मिथिला पालकर का। हाल ही में मिथिला अक्षय की होस्टिंग वाले गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में नजर आई थीं। इसी दौरान अक्षय ने ये खुलासा किया कि मिथिला भूत बंगला का हिस्सा हैं। अक्षय ने बताया कि मिथिला फिल्म में उनकी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। एक्टर ने कहा, मिथिला ने अपना सफर इंटरनेट से शुरू किया था और आज वह कई फिल्मों में काम कर रही हैं। जल्द ही वह एक ऐसे एक्टर के साथ नजर आएंगी, जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूं, गेस कीजिए कौन? मैं खुद। 'भूत बंगला' में मिथिला 'भूत' का नहीं, बल्कि मेरी बहन का किरदार निभाती दिखेंगी। 'भूत बंगला' 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल है। इसकी सबसे बड़ी वजह अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी का 16 साल बाद एक साथ आना है। अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 'हेरा फेरी' समेत कई कल्ट कॉमेडी फिल्में दी हैं। ऐसे में अब 'भूत बंगला' के जरिए निर्देशक-अभिनेता की ये जोड़ी एक बार फिर नई कॉमेडी फिल्म के साथ तैयार है। यह एक कम्पलीट फैमिली एंटरटेनर होने वाली है। दर्शक अक्षय कुमार को उनके पुराने अंदाज और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग में देखने के लिए उत्साहित हैं।

10 अप्रैल को रिलीज होगी 'भूत बंगला'

बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

साउथ फिल्मों की अजीब डिमांड से परेशान हो रहीं है तापसी

तापसी पन्नू ने बॉलीवुड के अलावा तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में भी अभिनय किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने साउथ मेकर्स की अजीब डिमांड का जिक्र किया। तापसी का मानना है कि इस वजह से कई बार सेट पर असहज स्थिति भी बन जाती थी। आखिर क्या थी वो डिमांड?

साउथ की फिल्मों को करते हुए कौन सी दिक्कत आती है?

तापसी पन्नू ने बताया कि साउथ की फिल्मों में एक्ट्रेस के अपीयरेंस पर बहुत ज्यादा फोकस किया जाता है। वह कहती हैं, 'साउथ फिल्मों में आकर्षक दिखने के लिए खास तरह के कपड़े पहनने के लिए बोला जाता है। लेकिन इसमें समस्या यह है कि सेट पर हीरोइन को यह बात बताने के लिए लड़कियां गिनती की होती हैं। ऐसे में डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर को बोलता है। फिर वह हेयर या स्टाइल टीम की किसी दीदी को बताते हैं। आप सोचो कितना शर्मनाक होगा कि सेट पर एक गाने के शूट में एक्ट्रेस का बीच में उठकर जाना है। सब देख रहे होते हैं कि क्या फर्क हुआ? फिर पता चलता है कि हमें फर्क पता नहीं चल रहा। ऐसे में एक्ट्रेसेस को वापस जाने को कहा जाता है।' तापसी का मानना है कि साउथ में एक्ट्रेस की फिजिकल अपीयरेंस पर फोकस किया जाता है। मेकर्स को लगता है कि इससे ऑडियंस की फैंटेसी पूरी होती है और फिल्म को लेकर अट्रैक्शन बढ़ता है।

फिल्म 'अस्सी' को लेकर चर्चा में तापसी पन्नू

फिल्म 'अस्सी' में कनी कुश्रुति, जीशान अय्यूब, तापसी पन्नू, कुमुद मिश्रा और रेवती जैसे कलाकार नजर आए हैं। तापसी फिल्म में रेप पीड़िता की वकील बनी हैं। वहीं रेप पीड़िता के रोल में कनी कुश्रुति दिखीं। दोनों ने ही दमदार अभिनय किया है। फिल्म 'अस्सी' की कहानी रेप पीड़िता के संघर्ष को दिखाती है, कानूनी प्रक्रिया में रेप केस के फैसलों में क्यों देरी होती है? परिवार और उस महिला पर क्या गुजरती है, इन बातों को निर्देशक ने बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया है। साथ ही इस जघन्य अपराध के पीछे की मानसिकता को भी सामने रखा है। बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म ठीक-ठाक कलेक्शन कर रही है।

अनुराग कश्यप पर इंडस्ट्री का कोई दबाव नहीं

राहुल भट्ट ने साझा किया 'कैनेडी' का शूटिंग अनुभव

राहुल भट्ट और अनुराग कश्यप कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों ने साथ में 'अग्ली' (2013) और 'दोबारा' (2022) जैसी फिल्में की हैं। अब दोनों की साथ में तीसरी फिल्म 'कैनेडी' जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। बातचीत में राहुल ने अनुराग कश्यप के बारे में खुलकर बात की और उनके साथ अपने काम के अनुभव साझा किए। साथ ही फिल्म के बारे में भी जानकारी दी।

इतने साल में अनुराग में क्या बदलाव आया? क्या उन पर इंडस्ट्री का दबाव है?

अनुराग को जो करना होता है वो वही करते हैं। उनके ऊपर इंडस्ट्री का कोई दबाव नहीं होता। वो मार्केट के लिए फिल्में बनाते ही नहीं। वो वह काम करते हैं, जिससे उन्हें तसल्ली मिलती है। वो इंडस्ट्री के बड़े ज्ञानी हैं। हम उनको कुछ ज्ञान नहीं दे सकते। उन्हें अच्छे से बिजनेस पता है। फिल्म कैसे बिकेंगी, किधर जाएंगी। उनकी फिल्मों की सेल्फ लाइफ लंबी होती है। उन्होंने कितना कुछ हासिल किया और कितने ही टैलेंट को आगे बढ़ाया है।

क्या आपको लगता है इंडस्ट्री ने उन्हें वो दिया जिसके वो हकदार है?

ये सिर्फ आप और हम सोचते हैं। वो ये सब नहीं सोचते कि इंडस्ट्री ने उन्हें क्या दिया और क्या नहीं? बाकी वो बड़े आदमी हैं। उनकी शिकायतें होंगी तो पता नहीं क्यों होंगी। मैं तो इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। उनको जितना जानता हूं बस इतना कह सकता हूं कि उनको बहुत कुछ मिला है, बहुत कुछ उन्होंने पाया है अपनी जिंदगी में। बाकी उनका टैलेंट इतना है कि उनको बहुत कुछ और मिलना चाहिए और वो मिलेगा भी। उन्हें कोई नहीं रोक सकता।

'कैनेडी' का शूटिंग अनुभव कैसा रहा? अपने किरदार के बारे में कुछ बताएं?

अनुराग की फिल्में मेरे ऊपर सेट से दूर होने और शूटिंग पूरी होने के बाद भी असर बनाए रखती हैं। 'कैनेडी' की शूटिंग के दौरान अपने किरदार के अंदर की आवाज, चाल और जो एटिट्यूड मैंने अपनाया.. वह लंबे समय तक मुझसे बना रहा। इस फिल्म में अपने किरदार को मैंने एक खास आवाज दी। वो आवाज शूटिंग के बाद भी मेरे अंदर से आती रही। लोग कहते थे - 'क्या कर रहा है तू? सीधे बात कर।' गाड़ी चलाते वक्त भी मेरा एट्टीट्यूड वैसा ही रहता था। मानो जैसे कोई खतरनाक आदमी गाड़ी चला रहा हो। फिल्म खत्म होने के बाद भी करीबन तीन महीने तक यह किरदार मेरे साथ रहा।

इंडस्ट्री में बदलावों पर आपकी क्या राय है?

पहले एक ही तरीके की फिल्में बन रही थीं, अब सिनेमा थोड़ा खुल गया है। ओटीटी प्लेटफार्म ने एक नया पिटारा खोला है। लोगों को एक्सपोजर मिल गया है और काफी मजेदार फिल्में बन रही हैं। मुझे लगता है मेरे जैसे अभिनेताओं के लिए यह बहुत अच्छा वक्त है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स का निगम आयुक्त से मुलाकात, लीज भूखंडों के नियमितीकरण पर की मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील सिटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त से मुलाकात कर भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा प्रस्तुत आपत्ति 17 सितंबर 2025 तथा लिखित अभिवचन 20 नवंबर 2025 के संबंध में विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि छत्तीसगढ़ राजपत्र, आवास एवं पर्यावरण विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-07-18/2015/32 28 जुलाई 2016 के अनुसार, छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 के अंतर्गत निर्मित छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम 1984 के नियम 21 के उपनियम (3) खंड (ख) में भवन अनुज्ञा हेतु प्रभार्य शुल्क की गणना का स्पष्ट प्रावधान है, जिसे उच्च न्यायालय बिलासपुर के आदेश के बाद विधि मान्यता प्राप्त हो चुकी है।

चैंबर अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने आयुक्त को सौंपे गए पत्र में उल्लेख किया कि भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा लीज पद्धति पर प्रदान किए गए भूखंडों के संबंध में रिट याचिका डब्ल्यूपी 1394/1994 में यह अभिवचन प्रस्तुत किया गया है कि लीज पर दिए गए भूखंडों पर निर्मित भवनों से भिलाई इस्पात संयंत्र का प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, क्योंकि इन भवनों का निर्माण संयंत्र द्वारा नहीं बल्कि संबंधित लीजधारक/लाइसेंसधारी दुकानदारों द्वारा किया गया है। अतः भवन अनुज्ञा लेने की जिम्मेदारी भी संबंधित लीजधारकों की ही है।

जैन ने कहा कि जब भिलाई इस्पात संयंत्र स्वयं उच्च न्यायालय में यह स्पष्ट कर चुका है, तो ऐसी

स्थिति में नगर पालिक निगम भिलाई को लीजधारकों की दुकानों के नियमितीकरण की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से प्रारंभ करनी चाहिए तथा नेशनल बिल्डिंग कोड के प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई करनी चाहिए। दस्तावेजों के अनुसार लगभग 4500 से अधिक भूखंडों पर आवासीय तथा लगभग 1500 दुकानों को सह-आवास की अनुमति देकर लीज पद्धति पर आवंटित किया गया है। विधि सम्मत रूप से लीज पर प्रदान भूखंड पर भवन निर्माण का दायित्व लीजधारक का ही होता है।

उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम भिलाई की सामान्य सभा की बैठक 13 नवंबर 2025 में क्रमांक 5-डी में संकल्प पारित किया गया है कि भिलाई इस्पात संयंत्र क्षेत्र में लीज पर दिए गए आवास एवं दुकानों में लीजधारक द्वारा किए गए निर्माण अथवा अतिरिक्त निर्माण को आवेदन प्राप्त होने पर विधि सम्मत जांच कर निर्धारित शुल्क लेकर नियमित किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त से विषय पर गंभीरता पूर्वक विचार कर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अध्यक्ष सुरेश रत्नानी ने नेहरू नगर से सूर्या मॉल जाने वाले मार्ग पर हो रही दुर्घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया। आयुक्त ने इस पर तत्काल संज्ञान लेने का आश्वासन दिया। वहीं आमदी सेक्टर एवं हुडको क्षेत्र के दुकानदारों ने टेंडर बेस दुकानों से जुड़ी समस्याएं रखते हुए घर-घर खुल रही दुकानों से उत्पन्न हो रही प्रतिस्पर्धा और पारिवारिक परेशानियों को भी सामने रखा। सभी पक्षों की समस्याएं सुनने के बाद आयुक्त ने विधि सम्मत कार्रवाई के निर्देश जारी करने की बात कही।

जी राम जी योजना को लेकर जिला भाजपा में हुई मंथन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विकसित भारत गारंटी रोजगार फॉर आजीविका मिशन (ग्रामीण) "VB G RAM G" योजना को लेकर भाजपा जिला कार्यालय भिलाई आहूत की गई। इस बैठक में विशेष रूप से विजेंद्र सिंह प्रदेश संयोजक (VB-GRAMG) छ.ग और श्रीमती सरस्वती बंजारे (अध्यक्ष, जिला पंचायत दुर्ग एवं VB G RAM G जिला संयोजक) भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

बैठक में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं, श्रमिकों, महिलाओं एवं स्व-सहायता समूहों को रोजगार एवं आजीविका से जोड़ने के लिए VB G RAM G योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक के मुख्य अतिथि बिजेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह मिशन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक रोजगार और आजीविका के अवसर पहुँचाने का लक्ष्य है। उन्होंने सभी मंडलों एवं बूथ स्तर तक मिशन की जानकारी पहुँचाने तथा लाभार्थियों के पंजीयन एवं मार्गदर्शन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

अध्यक्षता कर रही श्रीमती सरस्वती बंजारे ने कहा कि जिला स्तर पर मिशन के प्रभावी संचालन, पंचायतों की सक्रिय भागीदारी तथा महिलाओं और ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर दिया।

इसी कड़ी में मनीष अग्रवाल जिला महामंत्री भाजपा भिलाई विकसित भारत की कल्पना तभी पूरी होगी जब गांव का विकास होगा! बैठक का संचालन श्रीमती सुषमा जेठानी जिला महामंत्री भाजपा भिलाई और आभार व्यक्त श्रीमती

शहर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग नई जिला कार्यकारिणी का राजीव भवन में स्वागत, संगठन मजबूती का संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग द्वारा नवघोषित जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का राजीव भवन, दुर्ग में कांग्रेस का गमछा पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, पूर्व विधायक अरुण वोरा, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, शंकर लाल ताम्रकार, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व सभापति राजेश यादव, ब्लॉक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद एवं प्रदेश सचिव अयूब खान की उपस्थिति में आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संगठनात्मक एजेंडे पर विस्तृत चर्चा करते हुए आगामी रणनीति तय की गई।

बैठक के प्रमुख एजेंडे

जिला कार्यकारिणी की नियुक्ति पर वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों का आभार। नव नियुक्त पदाधिकारियों का परिचय एवं स्वागत। ब्लॉक कार्यकारिणी के गठन हेतु चर्चा। संगठन की मजबूती के लिए कार्ययोजना। जिले के समस्त प्रकोष्ठों के कार्यों की समीक्षा एवं पुनर्गठन। जनसमस्याओं के निराकरण हेतु जिला प्रशासन को ज्ञापन एवं संघर्ष की रूपरेखा।

घोषित जिला कार्यकारिणी (शहर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग) कोषाध्यक्ष-राज भाटिया, उपाध्यक्ष-दीपक साहू, अजय शर्मा, अब्दुल गनी, कौशल किशोर सिंह, राजकुमार पाली, राजकुमार नारायणी, महामंत्री-रायसिंह ढिल्हो, प्रकाश जोशी, विजय चंद्राकर, पोषण साहू, दुष्यंत देवांगन, श्रीमती निकिता मिलिंद, राहुल शर्मा, सुश्री जमुना साहू, संजय बत्रा, गौरव उमरे, मुकेश साहू, अजय मिश्रा है। इसी तरह सचिव- राकेश यादव, मनदीप सिंह भाटिया, मुकेश राठी, जगमोहन धीमर, भूपेंद्र सेन, खुर्शीद अहमद, वेंकट राव शास्त्री, धनंजय साहू, दीपक जैन, आदिनारायण यादव, सुरेंद्र सिंह राजपूत, सुभाष पाल हैं। कार्यकारिणी सदस्य में देव सिन्हा, गिरधर शर्मा, श्रीमती माहेश्वरी ठाकुर, हमीद खोखर, संजय गर्ग, जालम बाई, श्रीमती लता जघेल, उमेश पटेल, भोजराज यादव, श्रीमती शकुन धीमर, प्रवक्ता-सुशील भारद्वाज, नासिर खोखर, ओमप्रकाश जोशी, नागेंद्र शर्मा, सह कार्यालय प्रभारी-बृजेंद्र भारद्वाज, सुमित घोष हैं।

अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल का वक्तव्य

इस अवसर पर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि यह नई कार्यकारिणी अनुभव और युवा ऊर्जा का संगम है। हमारा उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार नहीं, बल्कि उसे बूथ स्तर तक सशक्त बनाना है। कांग्रेस पार्टी की विचारधारा जनसेवा, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा पर आधारित है। प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दे।

उन्होंने आगे कहा कि हाल के समय में कुछ लोग सोशल मीडिया अथवा व्हाट्सएप्प समूहों में अनुशासनहीन एवं आपत्तिजनक बयानबाजी कर रहे हैं, जिससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुँचता है। ऐसे सभी साथियों से आग्रह है कि यदि किसी प्रकार की असहमति या सुझाव हो तो उसे पार्टी के अधिकृत मंच पर रखें। सार्वजनिक मंचों या सोशल मीडिया पर पार्टी विरोधी गतिविधियों से दूर रहें। संगठन अनुशासन सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की पार्टी विरोधी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है। एकजुट होकर ही हम जनता के बीच मजबूत विकल्प प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए संगठनात्मक एकता, समन्वय एवं अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया।

प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू का वक्तव्य

प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन तभी मजबूत होगा जब जनता से उसका सीधा संवाद कायम रहेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि शहर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग द्वारा राजीव भवन में जन सुझाव पेटी रखी जाए, जिसमें शहर की जनता अपनी समस्याओं एवं सुझावों को पत्र के माध्यम से दर्ज कर सके। उन्होंने कहा कि इस पहल से आम नागरिकों को सीधे कांग्रेस संगठन तक अपनी बात पहुँचाने का अवसर मिलेगा और पार्टी जनसमस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी पहल कर सकेगी। यह कदम कांग्रेस की जनसंवेदनशीलता और जवाबदेही को और अधिक मजबूत करेगा।

बैठक में नवनियुक्त कार्यकारिणी के साथ छाया महापौर प्रेमलता साहू, ब्लाक अध्यक्ष आनंद ताम्रकार, देवश्री साहू, शिवाकांत तिवारी, राकेश सिंहा, अशोक मेहरा, गणेश सोनी संजय धनकरअंश चतुर्वेदी, छोटू साहू रत्ना नारम देव, साबिर खान, सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे। अंत में सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कांग्रेस पार्टी की मजबूती एवं जनसेवा के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

भिलाई महिला समाज ने वर्कर्स संग साझा की होली त्यौहार की खुशियां

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महिला समाज द्वारा होली के पावन एवं आनंदमय अवसर पर समाज की विभिन्न इकाइयों — दस्ताना, पेट्रोल पंप, मसाला, स्टेशनरी एवं साबुन इकाई में कार्यरत वर्कर्स के मध्य स्वीट मनी का वितरण कर त्यौहार की खुशियां साझा की। इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना तथा उत्सव की भावना को प्रत्येक कार्यस्थल तक पहुंचाना रहा।

सेक्टर-6 स्थित दस्ताना इकाई और सेक्टर-1 स्थित मसाला इकाई में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम में महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्षा श्रीमती छवि निगम एवं उपाध्यक्ष श्रीमती पूनम कुमार ने सभी कमर्चारियों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संस्था की प्रगति में कार्यरत कर्मियों की निष्ठा, अनुशासन एवं परिश्रम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने सभी वर्कर्स के समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं

निरंतर प्रगति की कामना की।

इस अवसर पर उपस्थित कमर्चारियों ने भी महिला समाज की इस आत्मीय पहल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा संगठन और कमर्चारियों के मध्य सौहार्दपूर्ण संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं। कार्यक्रम में भिलाई महिला समाज की महासचिव श्रीमती सोनाली रथ, सह सचिव श्रीमती चैती पाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती शिखा जैन, सह कोषाध्यक्ष श्रीमती रीता तिवारी तथा वर्किंग कमेटी सदस्य श्रीमती रूखसाना बेगम, श्रीमती सुधा शर्मा, श्रीमती रागिनी शर्मा, श्रीमती सुषमा सलवटकर, श्रीमती बबीता सिंह, श्रीमती सपना सोनी, श्रीमती नीलिमा साहू एवं श्रीमती लक्ष्मी पटेल उपस्थित रही। उल्लेखनीय है कि संयंत्र की स्थापना के बाद से ही इस क्षेत्र में प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य और महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से गठित भिलाई महिला समाज, अंचल की प्रमुख महिला संगठन हैं, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये अनेक उत्पादक इकाईयों का संचालन करती है।

राहुल शर्मा को जिला महामंत्री बनने पर युवाओं एवं वरिष्ठों में हर्ष

दुर्ग। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग में ऊर्जावान युवा राहुल शर्मा को महामंत्री बनाए जाने के बाद कांग्रेसियों और आमजन में हर्ष की लहर है। राहुल को कांग्रेस के वरिष्ठ जनों से लेकर सामाजिक व्यक्ति बधाई दे रहे है ।

राहुल शर्मा का राजनीतिक शुरुवात 2005 में नगर शाला अध्यक्ष से हुई, उसके बाद 2006 में एनएसयूआई दुर्ग विधानसभा उपाध्यक्ष, फिर बाद 2008/9 में मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में महामंत्री के बाद 2010 से 2012 और 2012 से 2018 तक आर एन वर्मा जी के कमेटी में सचिव व महामंत्री, 2018 गया पटेल जी के अध्यक्षता में महामंत्री रह चुके हैं। अब 2026 में उन्हें पुनः महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है । राहुल शर्मा ने अपनीनियुक्ति पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री सम्मानित भूपेश बघेल , पूर्व विधायक अरुण वोरा , प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री बड़े भैया राजेंद्र साहू शहर कांग्रेस कमेटी के दुर्ग के अध्यक्ष बड़े भाई धीरज बाकलीवाल का आभार व्यक्त करते हुवे धन्यवाद दिया है।

युवा कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर गिरफ्तारी का किया विरोध

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब सहित अन्य पदाधिकारियों की गिरफ्तारी के विरोध में जिला युवा कांग्रेस दुर्ग (ग्रामीण) द्वारा शुक्रवार को पटेल चौक, दुर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया।

कार्यक्रम जिला युवा कांग्रेस प्रभारी आस मोहम्मद एवं जिला युवा कांग्रेस दुर्ग (ग्रामीण) अध्यक्ष जयंत देशमुख के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने गिरफ्तारी को अलोकतांत्रिक बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की और राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की तत्काल व निशर्त रिहाई की मांग की। नेताओं ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने वाले युवा नेताओं को रिमांड पर रखना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया।

जिला युवा कांग्रेस दुर्ग (ग्रामीण) के महासचिव दीपांकर साहू एवं ब्लॉक अध्यक्ष यशवंत देशमुख, आशीष वर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में अनिल देशमुख, अभिषेक वर्मा, राकेश निषाद, ऋतुवेश इंद्रेश हरमुख, पंकज सिंह, अजय वर्मा, लिकेश, राजा देशमुख, लला देशमुख, लक्ष्य देशमुख, कयूम खान, पुष्पकांत चंद्राकर, राहुल साहू, सूरज पारधी, श्याम पारधी, संतोष चक्रधारी, अरुण चक्रधारी, गौरव देशमुख, पंकज निर्मलकार, खेवेंद्र साहू, ऋषि कापरे, देवेंद्र साहू, थॉमस देव, नोमेश वर्मा, कुशाल वैष्णव, कृष तिवारी, जोनी राव, सुमज शर्मा, दानेश्वर देशमुख, हर्ष साहू, ईशु साहू, कैलाश, डेविड, अमन, प्रशांत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने कहा कि यदि जल्द ही गिरफ्तारी वापस नहीं ली गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

शपथ ग्रहण संगठित समाज निर्माण के लिए एक एक सदस्य की जवाबदेही तय करना पदाधिकारियों की जिम्मेदारी : साहू

बुजुर्ग व युवा विचारों के संगम से सौ साल का अनुभवी समाज मिलेगा : ताम्रध्वज साहू

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्रामीण साहू संघ डुंडेरा का शपथ ग्रहण समारोह आज तक हुए शपथ ग्रहण समारोह का विस्मरणीय पल रहा, जिसमें प्रदेश साहू संघ अध्यक्ष अध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू उपस्थित रहे। साथ ही प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू की उपस्थिति ग्रामीण साहू संघ डुंडेरा के लिए गौरव का पल रहा।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों के सानिध्य में शपथ ग्रहण के साथ ग्रामीण साहू संघ डुंडेरा के दानदाताओं के सहयोग से खरीदी गई डेड बॉडी फ्रिजर को सर्व समाज को सौंपा गया। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यातिथि डॉ नीरेंद्र साहू ने समाज को संगठित करने वाले ताकतों को खुलकर आगे आने का आव्हान करते हुए कहा कि जिला से लेकर ग्रामीण स्तर के पदाधिकारी इकाई के एक एक सदस्यों तक पहुंचकर उन्हें सामाजिक विचारधारा के प्रति जागरूक करने के लिए बहुत बड़ा मुहिम

चलाएं जिससे सामाजिक बैठकों में उनकी उपस्थिति दर्ज हो।

अति विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में उपस्थित पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने अपना विचार रखते हुए समाज में फैली कुरीतियों को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि समाज को ऐसे रूढ़ीवादी प्रचलनों से दूर रखते हुए कार्य करना होगा जो समाज के हित में ना हो। उन्होंने समाज के युवा वर्ग को सजग करते हुए बहुत सुंदर विचार रखा कि समाज के सत्तर साल का बुजुर्ग और तीस साल के युवा का विचार एक साथ हो जाए तो सौ साल का अनुभवशील समाज मिलेगा। जो समाज को प्रगति की नई दिशा की ओर लेकर जाएगा।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिला साहू संघ अध्यक्ष नंदलाल साहू ने कहा कि सभी उच्च सदन और इकाई के बीच हमेशा सामंजस्य बनाए रखना जरूरी है इससे समाज में संतुलन बना रहेगा। प्रदेश संगठन सचिव डॉ सुनील साहू ने समाज में बढ़ती पाश्चात्य संस्कृति से समाज को बचाए रखने के लिए उठाए जा रहे सकारात्मक फैसलों की जानकारी दी।

तहसील अध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण पूसउ राम साहू ने कहा कि सामाजिक नियमावली का उत्तरोत्तर पालन हम सभी का कर्तव्य है। पूरई परिक्षेत्र अध्यक्ष लोकनाथ साहू ने समाज को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए अपना विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि अगर समाज का एक एक सदस्य रोज एक मुट्ठी चांवल और एक रुपए समाज के लिए निकाले तो बड़ी राशि समाज में इकट्ठा किया जा सकता है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष कृष्णा साहू, यतीश साहू तहसील प्रतिनिधि जामवंत गजपाल, समाज सेवी सुभाष साव उतई नगर पंचायत अध्यक्ष सरस्वती साहू, पूर्व अध्यक्ष डिकेन्द्र हिरवानी, पूरई परिक्षेत्र के ग्यारह इकाइयों के अध्यक्ष और बड़ी संख्या में ग्रामीण साहू संघ डुंडेरा के सदस्य उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए विशेष अभियान जारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में आधार कार्ड के सुदृढ़ीकरण और बच्चों के डेटा अपडेशन के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (मेन्डेटरी बायोमेट्रिक अपडेट - एमबीयू) अभियान चलाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में जिले में कुल 23,905 मामले लंबित हैं, जिन्हें समय सीमा में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले चार महीनों से विभिन्न स्कूलों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से अब तक 50,000 से अधिक बच्चों का सफलतापूर्वक बायोमेट्रिक अपडेट किया जा चुका है।

इस अभियान की समग्र प्रगति आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2025 से फरवरी 2026 तक जिले में कुल 1,549 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों के माध्यम से 52,742 बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पूर्ण किया गया है। इसके अतिरिक्त, 495 नए आधार कार्ड बनाए गए हैं और 7,047 अन्य आधार सुधार (अदर अपडेशन) के कार्य भी संपन्न किए गए हैं। फरवरी माह की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, 16 फरवरी 2026 से पुनः शुरू हुए विशेष शिविरों के जरिए अब तक 4,871 बच्चों का एम.बी.यू. और 339 बच्चों का आधार अपडेट किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा 31 मार्च 2026 तक जिले के कुल 410 शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में शिविर लगाने की एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है।

उल्लेखनीय है कि आधार नियमों के अनुसार, प्रत्येक बच्चे को दो बार अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट कराना आवश्यक होता है—पहली बार 5 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर और दूसरी बार 15 वर्ष की आयु होने पर। यह एक सतत प्रक्रिया है जो पहचान की सटीकता बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।

उत्तराखंड सांस्कृतिक मंडल में हर्षोल्लास पारंपरिक तरीके से मनाया मिलन समारोह

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

उत्तराखंड सांस्कृतिक मंडल, भिलाई द्वारा 1 मार्च को भव्य मिलन समारोह का आयोजन उत्तराखंड भवन सेक्टर- 7,भिलाई में हर्षोल्लास एवं पारंपरिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री कृष्णा नंद कण्डवाल एवं समाज के वरिष्ठ सदस्यो द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, तत्पश्चात सरस्वती वंदना की गई, जिससे वातावरण भक्तिमय और सांस्कृतिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न नगरों—रायपुर, राजनांदगांव, बेमेतरा, डोंगरगढ़, अंबिकापुर एवं कांकेर से पधारे उत्तराखंडी समाज के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने मिलकर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया।

समारोह के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुति दी गई, जिसमें पारंपरिक पहाड़ी गीतों एवं लोकनृत्यों ने सभी का मन मोह लिया। कलाकारों ने अपनी जीवंत प्रस्तुतियों से उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण बुजुर्गों का सम्मान समारोह रहा, जिसमें समाज के वरिष्ठ सदस्यों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने पूर्वजों के योगदान एवं समाज की एकता पर प्रकाश डाला। समारोह ने आपसी भाईचारे, सांस्कृतिक एकता एवं परंपराओं के संरक्षण का सशक्त संदेश दिया। अंत में सभी उपस्थित जनों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सफल एवं यादगार बताया।

संस्कारधानी में तीरंदाजी संघ ने राज्यस्तरीय स्पर्धा में दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संस्कारधानी तीरंदाजी संघ, जिला इकाई राजनांदगांव के खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में अपनी उत्कृष्टता साबित कर दिखाया है। आगामी 26 मार्च से 07 अप्रैल 2026 तक गुन्टुर विजयवाड़ा (तेलंगाना) में आयोजित 15वीं एनटीपीसी मिनी आचर्री टूर्नामेंट 2026 में चयनित खिलाड़ी छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिष्ठान बढ़ाने के लिए अपने दमदार प्रदर्शन से भाग लेंगे।

राज्यस्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों में इंडिया राउंड यू-15 में बालिका वर्ग से तिथि चौबे चौथा स्थान पीएमश्री सेजेस डोंगरगांव, बालक वर्ग में सुमित यादव तृतीय स्थान शहीद पूर्णानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, जंगलपुर, इंडिया राउंड यू-13 बालिका वर्ग में मिश्ती सिन्हा तृतीय स्थान गुजराती उच्चतर माध्यमिक शाला, राजनांदगांव, बालक वर्ग में ओजल कुमार यादव पंचम स्थान शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, रामपुर, इंडिया राउंड यू-10 बालिका वर्ग में मान्या साहू द्वितीय स्थान राजेश्वरी करूणा हायर सेकेंडरी स्कूल, राजनांदगांव, बालक वर्ग में अक्षत खरे प्रथम स्थान गायत्री विद्यापीठ, केसर नगर, भाव्या साहू द्वितीय स्थान श्री गुरुनानक इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, राजनांदगांव, अर्थ साहू चतुर्थ स्थान, इंडिया राउंड यू-15 कुमकुम साहू पंचम स्थान हायर सेकेंडरी स्कूल, जंगलपुर शामिल है।

संस्कारधानी तीरंदाजी संघ की ओर से जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। खासकर जंगलपुर में संचालित प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से संघ ग्रामीण बच्चों को बेहतर दिशा और मंच प्रदान कर रहा है। इसका परिणाम यह है कि संघ के प्रयासों से पांच बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित हुए हैं। संस्कारधानी तीरंदाजी संघ के संरक्षकगण सांसद संतोष पांडे, महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री खूबचंद पारख, संघ के अध्यक्ष राजेंद्र गोलछा, उपाध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, रामपुर जनपद सदस्य मनीष साहू, रामपुर सरपंच सतीश सिंह, जंगलपुर सरपंच भूपेंद्र साहू, जंगलपुर प्राचार्य पुनाराम यादव, स्पोर्ट टीचर मनीष पांडे, शाला विकास समिति के अध्यक्ष चंदू साहू, सहित पदाधिकारी एवं समस्त सदस्य ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके आगामी प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

साथ ही संघ के मुख्य कोच राहुल साहू, सहायक कोच अंजली यादव, भूपेंद्र सिन्हा और वरिष्ठ खिलाड़ी राहुल साहू एवं जतिन यादव को उनके कठोर परिश्रम और निस्वार्थ योगदान के लिए सराहा गया है संघ का विश्वास है कि सभी चयनित खिलाड़ी गुन्टुर विजयवाड़ा में शानदार प्रदर्शन करेंगे और जिले एवं राज्य का नाम रोशन करेंगे।

कांग्रेस का होली मिलन समारोह कल को

भिलाई। रंगों एवं समरसता के त्यौहार होली की पूर्व संध्या पर सभी कांग्रेसजनो का होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अतुल साहू ने बताया कि समारोह में मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, धीरज बाकलीवाल राकेश ठाकुर, अन्य विधायकगण एवं पूर्व विधायक, वर्तमान महापौर, सभापति, पूर्व महापौर, पूर्व एल्डरमैन पार्षदगण, पूर्व पार्षदगण एवं सभी सम्मानित कांग्रेसजन उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में फूलों की होली, होलिका दहन एवं फाग गीत का आयोजन किया गया है।आप सभी कांग्रेसजन इस आयोजन में सादर आमंत्रित है। यह आयोजन 3मार्च को अर्जंता पैलेस, स्मृति नगर भिलाई, सूर्या मॉल चौक के आगे होगा । आयोजन का समय संध्या 6 बजे से आयोजन उपरांत रात्रि भोज तक है।

बीएसपी के महाप्रबंधक के हाथों सम्मानित हुए स्टूडेंट्स और प्रोफेसर्स, मिली स्कॉलरशिप

रोड एक्सीडेंट में घायलों की मदद कर पा सकते है सवा लाख रुपए और केंद्र सरकार से सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान करीब 40 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। एकल गायन से लेकर समूह गायन, नृत्य, नाट्य और जनसरोकारी गतिविधियों की मोहक प्रस्तुति दी गई। साथ ही पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया। बीएसपी के महाप्रबंधक एबी.श्रीनिवास ने "फिट इंडिया" और "खेलो इंडिया खेलो" का जिक्र किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया। नियमित व्यायाम करने के लिए कहा। योग, कसरत और शारीरिक गतिविधि की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कल्याण महाविद्यालय की जमकर प्रशंसा की।

इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अफसर और छत्तीसगढ़ सड़क सुरक्षा के प्रभारी संजय शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया। संजय शर्मा ने कहा कि हमारे छात्र जीवन से ही कल्याण महाविद्यालय का हर क्षेत्र में दबदबा रहा है। आज यहां बच्चों की प्रस्तुति की झलकियां देखकर यह स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि मौजूदा समय में भी कल्याण महाविद्यालय का प्रभुत्व बरकरार है। संजय शर्मा ने ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की। साथ ही केवल हेलमेट पहनकर और सिर्फ सीट बेल्ट लगाकर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली अनहोनियों को उल्लेखनीय ढंग से कम किया जा सकता है।

प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा ने महाविद्यालय के छह दशक के विकास क्रम का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब यहां गिने-चुने ही स्कूल थे तब कल्याण महाविद्यालय की स्थापना हुई थी। कल्याण महाविद्यालय ने शिक्षाधानी भिलाई में उच्च शिक्षा का बीजारोपण किया था, जो आप विशाल वटवृक्ष बन चुका है। छत्तीसगढ़ कल्याण समिति के सचिव जेएल सोनी ने कहा कि हमेशा सकारात्मक सोचें। नकारात्मकता से दूर रहे। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि घर में, परिवार में नोंकझोंक होते रहती है। लेकिन हिंदी में "पति" और "पत्नी" लिखेंगे तो पति में छोटी 'इ' आता है जबकि पत्नी में बड़ी 'ई' आता है। इस लिहाज से पत्नी बड़ी होती है और पति छोटे होते हैं। साथ ही कॉलेज के एलुमनी, अर्जुन अवॉर्डी और ओलंपियन राजेंद्र प्रसाद विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मौजूदा अकादमिक सत्र में विभिन्न विषयों में नेट और सेट की परीक्षा उत्तीर्ण किए विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही अलग-अलग विषय पर पुस्तकों का लेखन करने वाले, पेटेंट करवाने वाले प्राध्यापकों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान बनाने वाले, विश्वविद्यालय सहित राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय में विभिन्न दानदाताओं के सहयोग से विद्यार्थियों को हर वर्ष स्कॉलरशिप दी जाती है। इसमें मेरिट में स्थान बनाने वाले, खेलों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले और जरूरतमंद होनहार विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और पांच हजार रुपए तक की राशि प्रदान की गई।

प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा के निर्देशन और छात्र संघ प्रभारी तथा राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ.माणिमेखला शुक्ला के मार्गदर्शन और बेहद सक्रिय भूमिका में सफलतापूर्वक और निर्विवाद सम्पन्न हुआ। इस दौरान छत्तीसगढ़ कल्याण समिति के अध्यक्ष पूर्णेन्दु देवदास, उपाध्यक्ष अनिल साहू, कोषाध्यक्ष केएन अग्रवाल व महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ.लखन चौधरी, वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ.सलीम अक़ील, विज्ञान संकाय के अध्यक्ष डॉ. गुणवंत चंद्रौल, शिक्षा संकाय के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर सिंह बरगाह, समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. केएन दिनेश, हिंदी और पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा, अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनुराग पाण्डेय, प्रबंधन संकाय के अध्यक्ष डॉ. हरीश कश्यप, बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की हेड डॉ.सौम्य खरे, भौतिक विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ.नीलम शुक्ला, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.कविता वर्मा, महाविद्यालय के प्रमुख लिपिक चिम्पनलाल सौड़े सहित अन्य प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी व अन्य उपस्थित रहे।

छुईखदान में पान अनुसंधान केन्द्र बनने से खेती को मिला नया जीवन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिले के विकासखण्ड छुईखदान में पूर्व में पान की खेती व्यापक रूप से की जाती थी। किन्तु तकनीकी मार्गदर्शन के अभाव एवं आवश्यक प्लांटिंग मटेरियल की उपलब्धता न होने के कारण यह परंपरागत खेती धीरे-धीरे विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। पान की इस पारंपरिक फसल को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा वर्ष 2023-24 में विकासखण्ड छुईखदान में पान अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने की घोषणा की गई।

यह केन्द्र रानी अवंती बाई लोधी कृषि महाविद्यालय छुईखदान में स्थापित किया गया है। पान उत्पादक कृषकों को प्रोत्साहित करने के लिए शेडनेट हाउस अधोसंरचना निर्माण हेतु 50 प्रतिशत विभागीय अनुदान प्रदान किया जा रहा है। वर्तमान में 7 कृषकों द्वारा प्रति कृषक 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल में शेडनेट हाउस का निर्माण कराया गया है। जिसके लिए प्रति कृषक 1.77 लाख रुपये का अनुदान उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है। इनमें से 6 कृषक वर्तमान में पान की खेती कर रहे हैं। इस पहल से पान उत्पादक कृषक प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों में भी अनुकूल वातावरण में पान की खेती कर बेहतर आय अर्जित कर सकेंगे। आवश्यक प्लांटिंग मटेरियल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि महाविद्यालय के सहयोग से जिले में स्थापित शासकीय उद्यान रोपणी कुकुरमुड़ा एवं बीरूटोला में भी पान की खेती का प्रदर्शन प्लॉट तैयार किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इस विशेष पहल की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत प्रेम कुमार पटेल द्वारा समय-समय पर स्थल निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। साथ ही, रानी अवंती बाई लोधी कृषि महाविद्यालय छुईखदान के विषयवस्तु विशेषज्ञों द्वारा कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है, जिससे जिले में पान की खेती को पुनः स्थापित कर किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

धर्म, राष्ट्रगौरव और सामाजिक सरोकार—इंद्रजीत सिंह की सक्रिय मौजूदगी से भिलाई सराबोर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अधर्म पर धर्म, अहंकार पर आस्था और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक पावन पर्व होलिका दहन के अवसर पर इंद्रजीत सिंह छोटू ने समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इसी क्रम में उन्होंने क्रिकेट प्रेमियों के लिए गर्व का क्षण साझा करते हुए बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 5 विकेट से पराजित कर टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है, जिससे हर देशवासी गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने पूरी टीम को बधाई देते हुए आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएँ दीं।

आर्य नगर कोहका, भिलाई में वीरा के अंगना में श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा आयोजित ध्वजवाहक सम्मान समारोह में इंद्रजीत सिंह छोटू ने सहभागिता की। इस अवसर पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण पांडे, नगर पालिक निगम भिलाई के उपसभापति गिरवर बंटी साहू, पूर्व पार्षद राजेश प्रधान, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य कन्हैयालाल सोनी तथा सर्व समाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह सहित बड़ी संख्या में कोहका के ध्वजवाहक, समिति पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

इसके पश्चात डोनेट थोड़ा सा एवं भारतीय जैन संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ब्रज की होली कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी के लगभग 300 जरूरतमंद विशेष बच्चों को होली के उपलक्ष्य में रंग, पिचकारी, स्टेशनरी सामग्री एवं मिठाइयों से युक्त होली गिफ्ट वितरित किए गए। बच्चों के चेहरों पर खुशी देख इंद्रजीत सिंह छोटू ने सभी बच्चों, अभिभावकों एवं उपस्थितजनों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और आयोजन की सराहना की।

मैत्री गार्डन, मरोदा, भिलाई में दुर्ग-भिलाई कलाकार परिवार द्वारा आयोजित अटलंगधा होली मिलन समारोह में उपस्थित होकर उन्होंने कलाकार साथियों से आत्मीय भेंट की तथा रंगारंग कार्यक्रम में शामिल सभी कलाकार बंधुओं को अग्रिम होली शुभकामनाएँ दीं। वहीं एमजी मार्केट, पावर हाउस, भिलाई में आयोजित Toyota के अधिकृत पार्ट्स डीलर शिवम मोटर्स के शुभारंभ समारोह में सम्मिलित होकर इंद्रजीत सिंह छोटू ने संचालक पवन अग्रवाल एवं नमन अग्रवाल को नई शुरुआत के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति के कार्यालय में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठजनों, माताओं-बहनों एवं युवाओं से संवाद करते हुए उन्होंने समस्याएँ व सुझाव सुने और त्वरित समाधान हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी आयोजनों के आमंत्रण सहर्ष स्वीकार करते हुए आयोजकों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। समग्र रूप से, इंद्रजीत सिंह छोटू की यह सक्रियता धार्मिक, सांस्कृतिक, खेल एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसने भिलाई क्षेत्र में सकारात्मक संदेश दिया है।

चुनाव दिलीप शर्मा महासचिव, दिनेश चौहान कोषाध्यक्ष व गणेश-जोगिन्दर बने सचिव

न्यू प्रेस क्लब भिलाई के अनिल गुप्ता हुए अध्यक्ष निर्वाचित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के अध्यक्ष पर पंचकोणीय संघर्ष में अनिल गुप्ता ने बाजी मार ली है। वहीं महासचिव के पद पर सीधी टक्कर में दिलीप कुमार शर्मा जीत हासिल की है। कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार चौहान, सचिव पद के लिए जोगिन्दर सिंह, गौकरण निषाद (गणेश) निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

यह चुनाव प्रेस क्लब भवन नेहरू भवन रोड में रविवार को पदाधिकारी एवं कार्यकारी सदस्यों का चुनाव सौहार्द पूर्ण माहौल में संपन्न हुआ क्लब के कुल 97 में से 94 सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतगणना के दौरान सबसे अंतिम मतगणना अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों की किया गया अध्यक्ष पद पर पांच उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे थे अनिल गुप्ता अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित कर दिए गए। सर्वप्रथम कार्यकारिणी के 6 पदों का मतगणना की गई, कार्यकारिणी के 6 पदों पर 7 सदस्य अपनी किस्मत आजमा रहे थे, मतगणना के पश्चात कार्यकारिणी के 6 पदों पर पी मोहन, राजकुमार आर्य, सोनू यादव, सर्वेश सिंह, सुरेंद्र ठाकुर, योगेश वर्मा, निर्वाचित घोषित किए गए।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए सुनील चौहान ने सीधे मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वी को हराकर निर्वाचित हुए हैं।

उपाध्यक्ष के दो पद पर तीन लोग अपनी किस्मत आजमा रहे थे मतगणना के उपरांत जयप्रकाश आर्य, एवं रघुनंदन पंडा निर्वाचित हो गए। महासचिव के पद पर दिलीप कुमार शर्मा ने कड़े संघर्ष में अपने प्रतिद्वंद्वी को हराकर निर्वाचित घोषित किए गए महासचिव के लिए दिलीप कुमार शर्मा दो मतों से विजयी घोषित किए गए। कार्यालय सचिव के पद पर के. मोहन राव ने सीधे मुकाबले में जीत हासिल किया।

सहसचिव पद पर सीधे मुकाबले में भोपाल देवांगन में अपने प्रतिद्वंद्वी को हराकर निर्वाचित घोषित किए गए। मतगणना के दौरान कार्यकारिणी सह सचिव एवं महासचिव पद की पुनः मतगणना के आवेदन जमा किया गया चुनाव अधिकारियों ने आवेदन पर विचार के उपरांत पुनः मतगणना की प्रक्रिया अपनाई और पुर्नमतगणना के उपरांत भी वोट में कोई अंतर नजर नहीं आया। मतगणना समाप्ति के पश्चात विजयी सभी उम्मीदवारों को निर्वाचन प्रमाण पत्र दिया गया चुनाव की पूरी प्रक्रिया चुनाव अधिकारी अरविंद सिंह, अशोक पंडा, रमेश गुप्ता, संतोष कुमार मिश्रा, मिथलेश ठाकुर, एवं संतोष तिवारी के सहयोग से संपन्न हुआ।

चुनाव परिणाम के बाद विजयी प्रत्याशियों के साथ प्रेस क्लब के सदस्यों ने जमकर जश्न मनाया। विजय प्रत्याशियों का पुष्पहार से स्वागत किया गया।

कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का किया औचक निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र कोपरो, देवरच्चा एवं रामपुर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव एवं टीकाकरण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

कलेक्टर ने संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में 100 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, नियमित प्रसव पूर्व गर्भावस्था जांच (एएनसी) तथा संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए समय पर जांच और सुरक्षित प्रसव अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी बच्चों का 100 प्रतिशत पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए तथा टीकाकरण से वंचित बच्चों की सूची तैयार कर विशेष अभियान चलाया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने स्वास्थ्य केंद्रों में दवा उपलब्धता, साफ-सफाई, स्टाफ उपस्थिति एवं रजिस्टर संधारण की भी जांच की और आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।